मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 210
शुक्रवार, 13 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

अमेरिका ट्रेड डील पर घमासान, राहुल बोले एमएसपी, फूड सिक्योरिटी और खेती पर बड़ा खतरा

नई दिल्ली, 12 फरवरी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। गुरुवार (12 फरवरी 2026) को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर सवाल उठाए। राहुल गांधी का कहना है कि सरकार की हालिया नीतियां और संभावित अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते भारतीय किसानों के हितों के खिलाफ हैं। वीडियो के साथ साझा संदेश में राहुल गांधी ने कहा कि चाहे उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो या विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया जाए, वे किसानों के अधिकारों की आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी ऐसा व्यापार समझौता, जिससे किसानों की आजीविका प्रभावित हो या देश की खाद्य सुरक्षा कमजोर पड़े, स्वीकार्य नहीं है। उनके अनुसार, सरकार को अन्नदाताओं के हितों की रक्षा करनी चाहिए।

राहुल गांधी ने केंद्र पर आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ की गई व्यापारिक बातचीत से भारतीय कृषि क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने विशेष रूप से कपास, सोयाबीन, सेब और अन्य फसलों का जिक्र करते हुए आशंका जताई कि इन क्षेत्रों के किसानों को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की खाद्य सुरक्षा और कृषि बाजार को बाहरी प्रभाव से बचाना जरूरी है।

अपने बयान में राहुल गांधी ने पहले लाए गए तीन कृषि कानूनों का संदर्भ भी दिया और कहा कि कृषि क्षेत्र को लेकर सरकार की नीतियों पर पहले भी व्यापक विरोध हुआ था। उनका दावा है कि यदि छोटे और सीमांत किसानों की स्थिति को मजबूत नहीं किया गया, तो बड़े विदेशी कृषि तंत्र के सामने वे टिक नहीं पाएंगे।

राहुल गांधी ने अमेरिका और भारत के किसानों की परिस्थितियों की तुलना करते हुए कहा कि वहां बड़े और मशीनीकृत फार्म हैं तथा सरकारी सब्सिडी भी अधिक मिलती है। वहीं भारत में अधिकांश किसान छोटे जोत वाले हैं और उन्हें लागत व समर्थन मूल्य से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने दोहराया कि उनकी पार्टी किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब विभिन्न किसान संगठनों और विपक्षी दलों की ओर से कृषि नीतियों पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

आसमान में बढ़ेगी भारत की धाक, राजनाथ सिंह ने दी नए राफेल सौदे को मंजूरी

नई दिल्ली, 12 फरवरी। भारतीय वायुसेना की ताकत में अब पहले से ज्यादा बढ़ने वाली है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में नए राफेल फाइटर जेट्स की खरीद को हरी झंडी दे दी गई है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत अपनी हवाई सीमाओं को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए 'स्क्वाड्रन' की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

IAF लंबे समय से अपनी लड़ाकू क्षमताओं के आधुनिकीकरण पर काम कर रही है। नए राफेल जेट्स के आने से न केवल बेड़े की ताकत बढ़ेगी, बल्कि पड़ोसी देशों की चुनौतियों के बीच भारत की Operational Readiness यानी युद्ध की तैयारी भी और मजबूत होगी। इस डील के जरिए भारत-फ्रांस के बीच इंजन निर्माण, एवियोनिक्स और वेपन इंटीग्रेशन जैसी उन्नत तकनीकों के साझाकरण को गति मिलेगी। बैठक में हाई-एल्टीट्यूड प्सूडो सैटेलाइट जैसी क्षमताओं को भी मंजूरी मिली है, जिससे सीमा पर निगरानी और नेटवर्क-सेंट्रिक वॉरफेयर (युद्ध कौशल) में भारत को बड़ी बढ़त मिलेगी। यह सौदा केवल खरीद तक सीमित नहीं है। इसमें 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी उत्पादन, MRO (मैन्टेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सुविधाओं के विकास और उच्च तकनीक के हस्तांतरण पर विशेष फोकस किया गया है। इससे भारत रक्षा क्षेत्र में वैश्विक हब बनने की दिशा में कदम बढ़ाएगा।

केंद्र सरकार ने टोल टैक्स में किया बड़ा बदलाव, 15 फरवरी से लागू होगा नियम

नई दिल्ली, 12 फरवरी। देशभर में तेजी से तैयार हो रहे एक्सप्रेसवे ने यात्रियों की आवाजाही को काफी आसान बनाया है। केंद्र सरकार सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर लगातार जोर दे रही है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा पहले के मुकाबले अधिक सुगम और तेज हो गई है। हालांकि, अब तक एक बड़ी शिकायत यह रही कि अधूरे एक्सप्रेसवे के हिस्सों पर भी पूरा या अतिरिक्त टोल वसूला जाता था।

अब इस व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। 15 फरवरी 2026 से ऐसे एक्सप्रेसवे, जो पूरी तरह एंड-टू-एंड चालू नहीं हुए हैं, उन पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टोल नहीं लिया जाएगा। सरकार ने नेशनल हाईवे फीस (दर निर्धारण और वसूली) नियम, 2008 में संशोधन करते हुए यह फैसला किया है। पहले नियम के तहत एक्सप्रेसवे का कोई भी हिस्सा चालू होते ही उस पर सामान्य राष्ट्रीय राजमार्ग की तुलना में 25 फीसदी अधिक टोल वसूला जाता था, भले ही पूरा प्रोजेक्ट तैयार न हुआ हो। अब जब तक एक्सप्रेसवे पूरी लंबाई में चालू नहीं होता, तब तक खुले हिस्से पर टोल राष्ट्रीय राजमार्ग की सामान्य दरों के अनुसार ही लिया जाएगा।

सरकार द्वारा जारी संशोधन 15 फरवरी 2026 से प्रभावी होगा। यह प्रावधान एक वर्ष तक या फिर एक्सप्रेसवे के पूरी तरह चालू होने तक लागू रहेगा- जो भी पहले हो।

सरकार का मानना है कि इस कदम से लोगों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा। अधूरे लेकिन उपयोग के लिए खुले एक्सप्रेसवे हिस्सों का उपयोग बढ़ेगा, जिससे पुराने हाईवे पर दबाव कम होगा। परिणामस्वरूप यात्रा समय घटेगा, ट्रैफिक जाम में कमी आएगी और प्रदूषण स्तर भी कम हो सकता है।

कांग्रेस और आप किसानों को गुमराह कर रहे हैं: नायब सिंह सैनी

हरियाणा, 12 फरवरी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर राज्य के किसानों को गुमराह करने और भड़कानेर का आरोप लगाया और कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) भी यही कर रही है। यह आलोचना भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के विरोध के बीच आई है, जिसमें भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं। कई व्यापार और किसान संगठनों ने समझौते के विरोध में देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। संयुक्त बयान के अनुसार, इस समझौते के तहत भारत का कृषि बाजार कुछ उत्पादों, जैसे फल, मेवे, डीजी आदि के लिए खुल जाएगा।

नायब सिंह सैनी ने बताया कि उन्होंने एक बार पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से इस मुद्दे पर बात की थी और उन्हें सलाह दी थी कि वे फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करें, जैसा कि हरियाणा सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों को गुमराह करने और डराने का काम करती है। वह झूठ बोलकर

उन्हें उकसाती है। और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार भी कांग्रेस की राह पर चलते हुए बड़े-बड़े वादे कर रही है। मैंने एक दिन मुख्यमंत्री से यह भी कहा कि आप यहां किसानों को उकसाते हैं। उन्हें उकसाने के बजाय, उनसे कहिए कि जिस तरह हम हरियाणा में सभी किसानों की फसलें एमएसपी पर खरीद रहे हैं, वैसे ही यहां भी करेंगे। आप क्यों नहीं बोलते? आपको बोलना चाहिए। लेकिन नहीं, आप नहीं बोलेंगे।

जब उनसे तीन-किसान अधिनियम के खिलाफ 2020 के किसान विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछा गया, तो सैनी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की हालिया जीत का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से किसानों की निराशा को खारिज कर दिया।

आपने आंदोलन की बात की। अगर ऐसा होता, तो तीसरी बार सरकार क्यों बनती? लोग काम देखते हैं और काम देखते हैं, इसीलिए उन्होंने सरकार को लगातार तीसरी बार चुना है। उन्होंने आगे कहा कि लोग कांग्रेस से तंग आ चुके हैं और 2029 के चुनावों में एक और हार की भविष्यवाणी की। उन्होंने एएनआई से कहा, मैं आज आपको एक और बात बता रहा हूं: कांग्रेस ने 'कांग्रेस आएगी, कांग्रेस आएगी' कहकर इतना शोर मचाया था। लोग इससे तंग आ चुके थे, और हमें मजबूत जनादेश मिला है: जब 2029 के चुनाव होंगे, तो कांग्रेस का कहीं नामोनिशान नहीं होगा।

डबल मर्डर से सनसनी, जादू-टोने के शक में युवक ने की दो की निर्मम हत्या, आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले में अंधविश्वास से जुड़े मानव बलि के एक संदिग्ध मामले में बृहस्पतिवार तड़के दो लोगों की कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर लोहरा गांव के बेरिहवा टोल में 21 वर्षीय युवक को यह अपराध करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने मीडिया को बताया कि आरोपी ने फूलकुमारी सिंह गोंड (50) और कमल नारायण सिंह गोंड (65) को अपने घर बुलाया तथा धारदार हथियार से उन पर हमला किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जब दो ग्रामीणों सुमित्रा सिंह (38) और राम भजन सिंह (35) ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की तो आरोपी ने उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। अधिकारी के मुताबिक, यह घटना सुबह चार बजे एवं पांच बजे के बीच हुई और ऐसा लग रहा है कि यह पूर्व नियोजित थी। उन्होंने कहा कि हत्याओं को आरोपी के घर के बाहर आंगन में एक चबूतरे के पास अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस को घटनास्थल के पास धार्मिक अनुष्ठानों से जुड़ी सामग्री मिली, जिससे संदेह पैदा होता है कि यह अपराध अंधविश्वास और जादू-टोना के कारण हुआ होगा।

किरेन रिजिजू का राहुल गांधी पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, 12 फरवरी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मीडियाकर्मियों पर की गई बदतमीजी की आलोचना करते हुए कहा राहुल गांधी मीडिया को जवाब नहीं देना चाहते। राष्ट्रीय राजधानी में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि मीडिया को सवाल पूछने से नहीं रोका जाना चाहिए, और कहा कि विपक्ष में रहते हुए उनकी पार्टी ने कभी भी मीडिया को सवाल पूछने से नहीं रोका।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह गलत है। अगर वह मीडिया को टोकेंगे और डांटेंगे, तो सवाल कौन पूछेगा? क्या हमने कभी मीडिया को सवाल पूछने से रोका है? विपक्ष में रहते हुए हमने कभी भी कांग्रेस का नाम लेकर मीडिया से कुछ नहीं कहा। उन्होंने यह सब इसलिए कहा होगा क्योंकि वह मीडिया को जवाब नहीं देना चाहते। उन्होंने कांग्रेस सांसदों के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में भी बताया, जिसमें उन्होंने सांसदों से विपक्ष के नेता को सदन के नियमों के अनुसार बोलने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि मैंने कई कांग्रेस सांसदों से राहुल गांधी को यह समझाने के लिए कहा है कि अगर वे नियमों का उल्लंघन करते हैं तो उनके खिलाफ नोटिस जारी किया जा सकता है।

यह घटना लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा आज सुबह भाजपा के निदेर्शों का अंधाधुंध पालन करने के लिए मीडिया की आलोचना करने और इसे स्देश के लिए हानिकारकस्र बताने के बाद हुई है। रिजिजू ने अपने फेसबुक हैंडल पर साझा किए गए उस वीडियो पर भी बात की, जिसमें कांग्रेस सांसदों ने कथित तौर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का उनके कक्ष में अपमान किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल वहां मौजूद थे, जबकि अन्य सांसदों ने कथित तौर पर अध्यक्ष के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया।

पुणे में बंगाली मजदूर की हत्या पर भड़कीं ममता बनर्जी

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे में काम कर रहे पुरुलिया के 24 वर्षीय प्रवासी मजदूर सुखेन महतो की हत्या पर गहरा सदमा और आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना को घृणा अपराध बताते हुए आरोप लगाया कि पीड़ित को उसकी भाषा और पहचान के कारण निशाना बनाया गया था और ऐसे हमलों के लिए बढ़ते विदेशी-विरोधी माहौल को जिम्मेदार ठहराया। मुख्यमंत्री ने दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, विदेशी-विरोधी भावना को हथियार बनाकर निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 982051985
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

डीपफेक का धोखा और डिजिटल सख्त नियमों की अनिवार्यता

डिजिटल युग में सूचना की गति जितनी तीव्र हुई है, उतनी ही तेजी से भ्रम, छल और दुष्प्रचार की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डीपफेक तकनीक ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि चेहरों, आवाजों और भाव-भंगिमाओं से भी झूठ को सच की तरह प्रस्तुत किया जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने डीपफेक और एआई जनित सामग्री के नियमन के लिए आईटी नियमों को सख्त करने का निर्णय लिया है। बीस फरवरी से लागू होने जा रहे नए प्रावधानों के अनुसार एआई द्वारा निर्मित सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा और किसी भी अवैध या भ्रामक सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना या ब्लॉक करना होगा। पहले यह समयसीमा 36 घंटे थी। यह बदलाव केवल तकनीकी संशोधन नहीं, बल्कि डिजिटल नैतिकता और लोकतांत्रिक जवाबदेही की दिशा में एक

-ललित गर्ग

गंभीर हस्तक्षेप है।

पिछले कुछ वर्षों में डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग भयावह रूप से सामने आया है। राजनीतिक नेताओं के फर्जी वीडियो, अभिनेत्रियों की अश्लील रूप से परिवर्तित तस्वीरें, सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले ऑडियो क्लिप और आर्थिक धोखाधड़ी के लिए बनाए गए कृत्रिम संदेश-ये सब इस बात के प्रमाण हैं कि तकनीक तटस्थ नहीं रहती, उसका उपयोग और दुरुपयोग दोनों संभव हैं। जब सत्य को जूता जा रहा हो और झूठ को परिष्कृत तकनीक के सहारे प्रमाणिकता का आवरण पहनाकर प्रस्तुत किया जा रहा हो, तब समाज में अविश्वास का वातावरण बनना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा नियंत्रण की पहल आवश्यक प्रतीत होती है, क्योंकि यह केवल अभिव्यक्ति का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकों की प्रतिष्ठा से जुड़ा विषय है। नए नियमों के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से बढ़ाई गई है। अब उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि उपयोगकर्ता को यह जानकारी मिले कि साझा की जा रही सामग्री एआई से निर्मित है या नहीं। इससे पारदर्शिता का एक न्यूनतम मानक स्थापित होगा। साथ ही, तीन घंटे की समयसीमा यह संकेत देती है कि सरकार डिजिटल अपराधों की गंभीरता को समझ रही है। डीपफेक वीडियो के वायरल होने के बाद उसका खंडन अक्सर प्रभावहीन हो जाता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई ही नुकसान को सीमित कर सकती है। परंतु यह भी सच है कि इतनी कम समय सीमा में सामग्री की सत्यता की जांच करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत जटिल कार्य है। इससे प्लेटफॉर्मों पर निगरानी तंत्र को अत्यधिक सुदृढ़ करना पड़ेगा, जो लागत और संचालन दोनों के स्तर पर चुनौतीपूर्ण होगा।

यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि ह्लआपत्तिजनकह्व या ह्लभ्रामकह्व सामग्री की परिभाषा कौन और किस आधार पर तय करेगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलाधिकार है। यदि नियमन की प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं होगी, तो इसके दुरुपयोग की आशंकाएँ जन्म लेंगी। अतीत में भी यह देखा गया है कि जब-जब सोशल मीडिया पर नियंत्रण के प्रयास हुए, तब कुछ वर्गों ने इसे सरकारी अतिक्रमण के रूप में प्रस्तुत किया। इसलिए नियमन और स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का प्रयोग असहमति को दबाने के लिए नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से दुष्प्रचार और अपराध को रोकने के लिए हो। इस दिशा में स्वतंत्र निगरानी तंत्र, न्यायिक समीक्षा और पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली अनिवार्य घटक हो सकते हैं।

वैश्विक परिदृश्य भी इसी संकट की ओर संकेत करता है। ऑस्ट्रेलिया और फ्रांस जैसे देशों ने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग की न्यूनतम आयु निर्धारित करने जैसे कदम उठाए हैं। अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभावों की जांच के लिए ऐतिहासिक मुकदमे चल रहे हैं। वहाँ की बड़ी तकनीकी कंपनियों पर युवाओं को लत लगाने वाली संरचनाएँ विकसित करने के आरोप लगे हैं। विशेषज्ञों का मत है कि कई युवा जब अपने फोन से दूर किए जाते हैं तो वे मनोवैज्ञानिक ही नहीं, शारीरिक असहजता भी अनुभव करते हैं। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं, भारत सहित विकासशील देशों में भी सोशल मीडिया का अनियंत्रित विस्तार सामाजिक और मानसिक संकट का कारण बन रहा है। एआई उद्योग स्वयं भी एक नैतिक दुविधा के दौर से गुजर रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में कंपनियाँ तकनीकी श्रेष्ठता की दौड़ में लगी हैं। इस दौड़ में सुरक्षा और नैतिकता के प्रश्न अक्सर पीछे छूट जाते हैं। हाल ही में एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता द्वारा विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति पर असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना इस तनाव का संकेत है। तकनीक की प्रगति जितनी तेज होगी, नियामक ढाँचे उतनी ही तेजी से अप्रासंगिक होते जाएँगे, यदि उन्हें समयानुकूल अद्यतन न किया जाए। इसलिए नियमन को केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि दूरदर्शी और सहभागी होना चाहिए।

भारत के संदर्भ में यह विषय और भी संवेदनशील है। यहाँ डिजिटल क्रांति ने अभूतपूर्व विस्तार पाया है। करोड़ों नए उपयोगकर्ता प्रतिवर्ष ऑनलाइन आ रहे हैं। ऐसे में यदि असली और नकली के बीच का फर्क स्पष्ट न रहे तो लोकतांत्रिक विमर्श ही संदिग्ध हो जाएगा। चुनावी प्रक्रिया, सामाजिक सद्भाव, आर्थिक लेन-देन और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा-सभी पर डीपफेक का खतरा मंडरा सकता है। इसलिए एआई जनित सामग्री पर लेबलिंग का प्रावधान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सूचना साक्षरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। परंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि लेबलिंग तभी प्रभावी होगी जब आम उपयोगकर्ता डिजिटल साक्षर हो। अन्यथा वह लेबल को समझे बिना ही सामग्री साझा करता रहेगा।

आगामी ई-समिट और भारत के ह्वइंडिया एआई मिशनह्ण के संदर्भ में यह और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक का विकास पारदर्शिता, शुद्धता और प्रमाणिकता के मूल्यों के साथ हो। यदि भारत वैश्विक एआई नेतृत्व का दावा करना चाहता है, तो उसे नैतिक मानकों की स्थापना में भी अग्रणी भूमिका निभानी होगी। केवल स्टार्टअप्स और नवाचार की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि एआई मानव गरिमा, गोपनीयता और लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करे। नियमन का उद्देश्य तकनीकी प्रगति को रोकना नहीं, बल्कि उसे उत्तरदायी बनाना होना चाहिए। अंततः यह समझना होगा कि डीपफेक और एआई का संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। कानून आवश्यक है, परंतु पर्याप्त नहीं। डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही, सरकार की पारदर्शिता, न्यायपालिका की सतर्कता और नागरिकों की जागरूकता-इन सबका समन्वय ही इस चुनौती का स्थायी समाधान दे सकता है। यदि नियमन संतुलित और निष्पक्ष होगा तो वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने के बजाय उसे सुरक्षित करेगा, क्योंकि स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह सत्य और जिम्मेदारी के साथ जुड़ी हो। झूठ को सच में बदलने की तकनीकी क्षमता जितनी बढ़ रही है, उतनी ही दृढ़ता से सत्य की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प भी आवश्यक है। यही डिजिटल युग की सबसे बड़ी नैतिक परीक्षा है, और यही लोकतांत्रिक समाज की अगली कसौटी भी।

तीन घंटे में हटाने होंगे आपत्तिजनक कंटेंट

-संजय सक्सेना

डिजिटल दुनिया में जो कुछ सालों से चल रहा था, उस पर आखिरकार सरकार ने सख्त ब्रेक लगा दिया है। मोबाइल फोन, सस्ते इंटरनेट और नई तकनीक ने हर हाथ में कैमरा और हर दिमाग को कंटेंट बनाने की ताकत दे दी। इसी ताकत के गलत इस्तेमाल ने फर्जी वीडियो, बदली हुई आवाज और नकली तस्वीरों की बाढ़ ला दी। किसी नेता का बयान हो, किसी अभिनेता का वीडियो या किसी आम आदमी की आवाज सब कुछ कुछ मिनटों में इस तरह बदला जाने लगा कि सच और झूठ का फर्क मिटता चला गया। इसी खतरे को देखते हुए सरकार ने अब सोशल मीडिया के लिए ऐसा नियम बनाया है, जो सीधे असर डालने वाला है।नए नियमों के मुताबिक अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को आपत्तिजनक या गैरकानूनी कंटेंट हटाने के लिए 36 घंटे नहीं, बल्कि सिर्फ तीन घंटे मिलेंगे। मतलब यह कि अगर कोई फर्जी या भ्रामक वीडियो वायरल होता है, तो उसे घंटों या दिनों तक चलने नहीं दिया जाएगा। तीन घंटे के भीतर उसे हटाना प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी होगी। यह नियम 20 फरवरी 2026 से लागू होगा और फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब जैसे बड़े प्लेटफॉर्म भी इससे बाहर नहीं होंगे।

भारत में सोशल मीडिया इस्तेमाल करने वालों की संख्या 90 करोड़ के आसपास पहुंच चुकी है। हर दिन करोड़ों फोटो, वीडियो और रील्स अपलोड होते हैं। ऐसे में एक गलत वीडियो कितनी तेजी से फैल सकता है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कई बार कुछ ही मिनटों में लाखों लोग उसे देख लेते हैं। पिछले एक-दो साल में ऐसे कई मामले सामने आए, जहां बदली हुई आवाज से लोगों से पैसे ठग लिए गए, नकली वीडियो से अफवाहें फैलीं और तस्वीरों को गलत संदर्भ में दिखाकर माहौल खराब किया गया। सरकारी आंकड़ों में भी माना गया है कि डिजिटल ठगी और भ्रम फैलाने वाले मामलों में बड़ी संख्या में बदले हुए वीडियो और ऑडियो का इस्तेमाल हुआ।सरकार का दूसरा बड़ा फैसला यह है कि अब हर बदले हुए या मशीन से बने कंटेंट पर साफ-साफ लेबल दिखाना जरूरी होगा। यानी अगर कोई फोटो, वीडियो या आवाज असली नहीं है, बल्कि तकनीक से बनाई या बदली गई है, तो उसे देखकर ही यह बात समझ में आ जानी चाहिए। अब तक सबसे बड़ी दिक्कत यही थी कि आम आदमी यह पहचान ही नहीं पाता था कि जो वह देख रहा है, वह सच है या बनाया गया भ्रम। नए नियम इस भ्रम को कम करने की कोशिश हैं।

इस बदलाव का सीधा असर कंटेंट बनाने वालों पर पड़ेगा। अब तक कई लोग जानबूझकर ऐसे वीडियो बनाते थे, जो असली लगें और ज्यादा से ज्यादा शेयर हों। चेहरे बदलना, आवाज कॉपी करना या किसी पुराने वीडियो को नए संदर्भ में पेश करना आम बात हो गई थी। अब यह सब बिना पहचान के नहीं चलेगा। अगर किसी ने जानबूझकर बदले हुए कंटेंट को असली बताकर पोस्ट किया और उस पर लेबल नहीं लगाया, तो उसका अकाउंट सस्पेंड या बैन भी हो सकता है। बार-बार नियम तोड़ने पर कानूनी परेशानी का रास्ता भी खुल सकता है।सोशल मीडिया कंपनियों के लिए यह नियम सबसे बड़ी चुनौती लेकर आया है। तीन घंटे में किसी पोस्ट पर फैसला लेना आसान काम नहीं है। खासकर तब, जब हर मिनट हजारों वीडियो अपलोड हो रहे हों। कंपनियों को अब ज्यादा मॉडरेशन टीम, बेहतर तकनीक और भारत के हालात के हिसाब से अलग सिस्टम बनाना पड़ेगा। सिर्फ यूजर की बात पर भरोसा नहीं चलेगा। प्लेटफॉर्म्स को खुद भी जांच करनी होगी कि कंटेंट बदला हुआ है या नहीं। यह काम तकनीकी तौर पर मुश्किल है, क्योंकि आज के नकली वीडियो इतने असली लगते हैं कि मशीनें भी कई बार धोखा खा जाती हैं। आम यूजर के लिए यह बदलाव राहत की तरह है। अब जब वह सोशल मीडिया खोलेगा, तो उसे हर वीडियो पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करना पड़ेगा। अगर किसी पोस्ट पर साफ लिखा होगा कि यह बदला हुआ है, तो वह उसे उसी नजर से देखेगा। इससे अफवाहों और झूठी खबरों को आगे बढ़ाने की आदत पर कुछ हद तक रोक लग सकती है। हालांकि एक खतरा यह भी है कि अगर बहुत ज्यादा पोस्ट पर ऐसे टैग दिखने लगे, तो लोग उन्हें नजरअंदाज करने लगें। ऐसे में लेबल को समझदारी से और साफ तरीके से दिखाना भी उतना ही जरूरी होगा।इस फैसले का असर सोशल मीडिया के कारोबार पर भी पड़ेगा। आज रील्स और शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म की सबसे बड़ी ताकत हैं। इनमें बड़ी संख्या में बदला हुआ या मशीन से बना कंटेंट चलता है। अब जब उस पर सख्त निगरानी और लेबलिंग होगी, तो एंगेजमेंट के तरीके बदल सकते हैं। कुछ लोग ऐसे कंटेंट से दूरी बना सकते हैं। दूसरी तरफ विज्ञापन देने वाली कंपनियों के लिए यह राहत की खबर है, क्योंकि उन्हें अब ज्यादा सुरक्षित माहौल मिलेगा और उनके ब्रांड का नाम किसी फर्जी या विवादित कंटेंट से जुड़ने का खतरा कम होगा।

सरकार ने साफ किया है कि नियम न मानने पर प्लेटफॉर्म्स को जिम्मेदारी से बचने का मौका नहीं मिलेगा। यानी अगर किसी मामले में लापरवाही हुई, तो कानूनी जवाबदेही तय की जा सकती है। यही वजह है कि आने वाले समय में सोशल मीडिया कंपनियों को भारत में ज्यादा निवेश करना पड़ेगा। ज्यादा लोग, ज्यादा जांच और ज्यादा जवाबदेही तीनों अब जरूरी होंगे।हालांकि रास्ता आसान नहीं है। बदले हुए वीडियो को डाउनलोड कर-के फिर से अपलोड किया जा सकता है। एक प्लेटफॉर्म से हटाया गया कंटेंट दूसरे पर पहुंच सकता है। तकनीक भी अभी पूरी तरह भरोसेमंद नहीं है। कई बार असली को नकली और नकली को असली मान लेने की गलती हो जाती है। लेकिन इसके बावजूद सरकार का मानना है कि बिना सख्त कदम के हालात और बिगड़ते।कुल मिलाकर यह फैसला सोशल मीडिया के लिए एक मोड़ जैसा है। अब यहां सब कुछ चलेगा वाली सोच खत्म होने वाली है। कंटेंट बनाना सिर्फ वायरल होने का खेल नहीं रहेगा, उसमें जिम्मेदारी भी जुड़ेगी। गलत जानकारी फैलाने की कीमत चुकानी पड़ेगी। शुरूआत में दिक्कतें आएंगी, विवाद होंगे और सिस्टम पर दबाव बढ़ेगा, लेकिन लंबे वक्त में इससे डिजिटल दुनिया में भरोसा लौटने की उम्मीद है। सच और झूठ के बीच जो धुंध छा गई थी, उसे हटाने की यह एक गंभीर कोशिश है।

स्क्रीन से स्मृतियों तक अमिट उपस्थिति

-सुरेश गांधी

सरला माहेश्वरी : सादगी, विश्वसनीयता और गरिमा की वह आवाज, जो एक युग की पहचान बन गई...

भारतीय पत्रकारिता और दूरदर्शन के स्वर्णिम इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय अब स्मृतियों में दर्ज हो गया है। दूरदर्शन की जानी-मानी वरिष्ठ समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का 71 वर्ष की आयु में निधन न केवल मीडिया जगत के लिए, बल्कि उस पीढ़ी के करोड़ों दर्शकों के लिए भावनात्मक क्षति है, जिसने समाचारों को उनके स्वर में विश्वसनीयता और मर्यादा का रूप लेते देखा था। उनका जाना केवल एक व्यक्तित्व का अवसान नहीं, बल्कि पत्रकारिता के उस अनुशासित और संयमित दौर का धुंधलाना है, जहां शब्दों की गरिमा और प्रस्तुति की शालीनता ही पहचान हुआ करती थी। सरला जी का जीवन पत्रकारिता के लिए एक प्रेरणा है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सादगी, शालीनता और भाषा की शुद्धता भी दर्शकों के दिलों में स्थायी स्थान बना सकती है। आज जब मीडिया निरंतर बदलाव के दौर से गुजर रहा है, तब उनका व्यक्तित्व एक आदर्श की तरह सामने आता है, जो पत्रकारिता को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

सरला माहेश्वरी अब भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन भारतीय मीडिया के इतिहास में उनकी उपस्थिति सदैव उस मजबूत आधारशिला की तरह दर्ज रहेगी, जिस पर विश्वास और गरिमा की पत्रकारिता खड़ी होती है। उनकी आवाज भले ही मौन हो गई हो, लेकिन उनकी स्मृति और योगदान आने वाली पीढ़ियों को पत्रकारिता के मूल मूल्यों की याद दिलाते रहेंगे। आज जब मीडिया का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और प्रस्तुति की शैली में आकर्षण और प्रतिस्पर्धा हावी हो चुकी है, ऐसे में सरला माहेश्वरी जैसे व्यक्तित्व उस युग की याद दिलाते हैं, जब पत्रकारिता में मर्यादा, संतुलन और गरिमा सर्वोपरि हुआ करती थी। वे केवल समाचार वाचक नहीं थीं, बल्कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता का जीवंत प्रतीक थीं। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं, बल्कि उस युग की स्मृतियों का धुंधलाना भी है, जिसने भारतीय जनमानस को सूचना और विश्वास के सूत्र में बांधकर रखा। सरला जी भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज, उनकी शैली और उनकी सादगी भारतीय मीडिया इतिहास में सदैव एक आदर्श के रूप में गूंजती रहेगी।

विश्वास की वह आवाज, जिसने घर-घर में बनाई जगह

1970 के दशक में जब भारत में संचार के साधन सीमित थे और दूरदर्शन सूचना का सबसे सशक्त माध्यम माना जाता था, उस समय सरला माहेश्वरी ने अपने पत्रकारिता जीवन की शुरूआत की। धीरे-धीरे वे केवल समाचार पढ़ने वाली एंकर नहीं रहीं, बल्कि भारतीय समाज में भरोसे का पर्याय बन गईं। उस दौर में समाचार वाचकों की भूमिका मनोरंजन नहीं, बल्कि जनविश्वास को मजबूत करने की जिम्मेदारी से जुड़ी होती थी और सरला माहेश्वरी ने इस दायित्व को पूरी गरिमा के साथ निभाया। उनकी प्रस्तुति में कृत्रिम आकर्षण नहीं, बल्कि सहज

आत्मविश्वास और स्पष्ट उच्चारण की दृढ़ता दिखाई देती थी। सलीके से पहनी हुई साड़ी, माथे की सादगी भरी बिंदी और कैमरे से संवाद करती उनकी गंभीर दृष्टि दर्शकों को यह विश्वास दिलाती थी कि समाचार केवल सूचना नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व का दस्तावेज है।

कुछ आवाजें केवल सूचना नहीं देतीं, वे समय का दस्तावेज बन जाती हैं। सरला माहेश्वरी उन्हीं दुर्लभ आवाजों में शामिल थीं, जिन्होंने समाचार पढ़ने की परंपरा को केवल पेशा नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का स्वरूप दिया। वे उस दौर की प्रतिनिधि थीं, जब समाचार प्रस्तुति में चमक-दमक नहीं, बल्कि गंभीरता, गरिमा और विश्वसनीयता का वर्चस्व हुआ करता था। सरला माहेश्वरी का चेहरा केवल दूरदर्शन की स्क्रीन पर दिखने वाला चेहरा नहीं था, बल्कि वह करोड़ों भारतीय परिवारों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुका था। उनकी सधी हुई वाणी, संतुलित भाव-भंगिमा और सादगी से सजी उपस्थिति यह भरोसा दिलाती थी कि जो शब्द उनके होंठों से निकल रहे हैं, वे केवल खबर नहीं बल्कि तथ्य और विश्वास की धरोहर हैं। उस समय जब सूचना के साधन सीमित थे, तब उनके माध्यम से देश-दुनिया की हलचलें घर-घर तक पहुंचती थीं

सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा व्यक्तित्व

सरला माहेश्वरी का संबंध राजस्थान की सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े माहेश्वरी समाज से था, जो भारतीय वैश्य परंपरा का एक प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक समुदाय माना जाता है। यह समाज अपनी व्यापारिक दक्षता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक अनुशासन के लिए प्रसिद्ध रहा है। भगवान शिव और माता माहेश्वरी के प्रति गहरी श्रद्धा रखने वाला यह समुदाय सामाजिक मूल्यों और परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। संभवतः यही सांस्कृतिक संस्कार सरला जी के व्यक्तित्व में झलकते थे, जो उनकी भाषा की शुद्धता और प्रस्तुति की मर्यादा में स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे।

तीन दशकों का गौरवशाली और प्रेरणादायक सफर

सरला माहेश्वरी ने वर्ष 1976 में दूरदर्शन से अपने पेशेवर जीवन की शुरूआत की थी। प्रारंभिक दिनों में उन्होंने बच्चों के कार्यक्रमों के लिए लेखन का कार्य भी किया। इस अनुभव ने उनकी भाषा को संवेदनशीलता, सहजता और प्रभावशीलता प्रदान की। यह गुण आगे चलकर उनकी समाचार प्रस्तुति की सबसे बड़ी ताकत बना। उन्होंने भारतीय टेलीविजन पत्रकारिता के विकास को बहुत करीब से देखा और जिया। वह दौर जब दूरदर्शन ब्लैक एंड व्हाइट प्रसारण से रंगीन दुनिया की ओर बढ़ रहा था, उस ऐतिहासिक परिवर्तन की वह प्रत्यक्ष साक्षी रहीं। तकनीकी बदलावों के साथ-साथ उन्होंने पत्रकारिता की मूल आत्मा को कभी कमजोर नहीं होने दिया।

इतिहास के संवेदनशील क्षणों की साक्षी आवाज

सरला माहेश्वरी केवल सामान्य समाचार वाचन तक सीमित नहीं रहीं। उन्होंने देश के कई महत्वपूर्ण और संवेदनशील घटनाक्रमों को अपनी आवाज के माध्यम से जनता तक पहुंचाया। मई 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या की खबर जब देश में स्तब्धता और शोक का वातावरण लेकर आई, तब उसी गंभीर और संतुलित स्वर में यह दुखद समाचार देशवासियों तक पहुंचा था। ऐसे अवसरों पर उनकी प्रस्तुति केवल सूचना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय भावनाओं का संयमित प्रतिबिंब बन जाती थी।

जब एंकर होते थे गरिमा के प्रतीक

आज का मीडिया तेज प्रतिस्पर्धा, दृश्य आकर्षण और त्वरित प्रस्तुति के युग में प्रवेश कर चुका है, जहां समाचार अक्सर शैली और प्रभाव के बीच संतुलन खोजते नजर आते हैं। लेकिन सरला माहेश्वरी उस पीढ़ी की प्रतिनिधि थीं, जब एंकर लोकप्रियता के नहीं, बल्कि सम्मान और विश्वसनीयता के प्रतीक हुआ करते थे। उनका व्यक्तित्व यह संदेश देता था कि पत्रकारिता केवल पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति नैतिक दायित्व है।

पिछले कुछ वर्षों से सरला माहेश्वरी सार्वजनिक जीवन से दूर थीं। समय की धारा में कई चेहरे ओझल हो जाते हैं, लेकिन कुछ आवाजें स्मृतियों में स्थायी रूप से अंकित हो जाती हैं। उनके निधन की खबर ने उन अनगिनत दर्शकों को भावुक कर दिया है, जिनके लिए समाचार का अर्थ ही सरला माहेश्वरी का स्वर हुआ करता था।

आतंकवाद की नई परिभाषा सफेद पोश आतंकवाद

संजीव ठाकुर

उग्रवाद, आतंकवाद और अतिवाद हमेशा से अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा बने हुए हैं' व्हाइट-कॉलर क्राइमश् शब्द का प्रयोग कथित तौर पर 1939 में हुआ था और तब से यह व्यापार और सरकारी पेशेवरों द्वारा किए गए सभी प्रकार के धोखाधड़ी के मामलों का पर्याय बन गया है। इसराइल, हमास ,फिलिस्तीन युद्ध में हमास के लड़ाकुओं ने उच्च टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल द्वारा इजरायल की आंखों में धूल झोंक कर 8 अक्टूबर को इसराइल के शहर अस्क लोन में लगभग 5000 रॉकेट से हमला किया और अपने आतंकवादी लोगों को हवाई रास्ते से इजराइल में उतार कर लगभग 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया । हमला बड़ा दर्दनाक था ,इसे टेक्नोलॉजी के सारे गुप्त रखा गया था इसराइल को इसकी भनक तक न थी । वर्तमान समय में तकनीकी के सहारे मानवता का नरसंहार करने वाली बहुत विकराल घटना है। रूस यूक्रेन युद्ध में भी ज्यादा समय से युद्ध किया जा रहा है जो निसंदेह मानवता के लिए और विश्व शांति के लिए आने वाले समय में बहुत बड़ा खतरा है ।पहले यह आतंकवादी हाथों में बंदूक, ग्रेनेटो, रॉकेट लांचर लेकर विभिन्न देशों में तोड़फोड़ आगजनी और हत्या की घटनाएं किया करते थे' अब समय के परिवर्तन के साथ साथ आतंकवाद में अब इंटरनेट, मीडिया, सोशल मीडिया ने अपने पैर फैलाना शुरू किए हैं' आतंकवाद के नेटवर्क के लिए इंटरनेट तथा हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का आसानी से उपयोग करने लगे हैं' अमेरिका में जो ट्विन टावर और पेंटागन में हमले हुए थे, उसमें आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर लक्ष्य भेदी विमानों को को भेजा गया था और एक बड़ी विध्वंसकारी घटना को अंजाम दिया गया था। समय और तकनीकी शिक्षा के बढ़ने के साथ-साथ अब उग्रवादी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर बड़े इंजीनियर तथा सॉफ्टवेयर इंजीनियर इस मैदान में आतंकवादियों के साथ टूट पड़े हैं। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स बड़े ही खतरनाक ढंग से सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल कर जनता को दिग्भ्रमित कर झूठी अफवाहें फैलाकर कई देशों के सूचना तंत्र में सेंध लगाकर वहां की सूचनाएं प्राप्त कर अपने उग्रवादी साथियों को भेज कर खुफिया सूचनाएं भेजते हैं। आतंकवादी गतिविधियों के लिए यह सूचनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। और देशों की शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा भी होती हैं। भारत के परिपेक्ष में भारत में बाहर के टेक्निकल शिक्षा प्राप्त किए आतंकवादी जिन्हे व्हाइट कॉलर आतंकवादी भी कहा जाता है। खुफिया तंत्र के हिसाब से यह तकनीकी स्लीपर सेल्स शांति के लिए अन्य आतंकवादियों से ज्यादा खतरनाक होते हैं। क्योंकि इनकी पहचान नहीं हो पाती है। ये छुपे हुए होते हैं। इनका पता लगाना अन्य आतंकवादियों से ज्यादा कठिन होता है और केवल तकनीकी जानकारी के आधार पर ही संभव हो पाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स इसलिए भी ज्यादा विनाशकारी होते हैं, क्योंकि यह दूर ठिकानों में बैठकर मीडिया, सोशल मीडिया, इंटरनेट के जरिए युवाओं को उकसा कर, भड़का कर सांप्रदायिक दंगे कराने में सफल हो जाते हैं। या सोशल मीडिया में झूठी तथा गलत खबरों के जरिए युवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। निसंदेह ये अज्ञात होते हैं। लेकिन समूची युवा पीढ़ी को मानसिक रूप से प्रभावित कर उनके विकास की दिशा बदल सकते हैं। ऐसे में सारी खुफिया एजेंसियां हाथ पर हाथ धरे बैठ रह जाती हैं। भारत के परिपेक्ष्य में जम्मू कश्मीर, मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स के लिए एक सॉफ्ट टारगेट होते हैं। यह अपनी तकनीकी ज्ञान के चलते सोशल मीडिया में नाम बदलकर, रूप बदलकर, युवाओं को आम जनता को गलत जानकारी देकर दिग्भ्रमित करते रहते हैं, एवं दंगे भड़काने का काम भी करते हैं। मूलतः ये टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स सफेदपोश होते हैं। एवं आम लोगों के बीच घुल मिल जाते हैं। ऐसे में इनका पता लगाना इन्हें खोजना अत्यंत कठिन हो जाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स देश के सामरिक महत्व की जानकारी अपने उग्रवादी संगठनों को प्रदान करते हैं। इन जानकारियों का आतंकवादी संगठन उग्रवाद के लिए बेहद खतरनाक ढंग से किसी भी देश के खिलाफ कर सकते हैं। भारतीय संदर्भ में यदि जम्मू कश्मीर को लिया जाए तो अब वहां आतंकवादियों ने अपना युद्ध का तरीका बदल दिया है। युद्ध का मैदान नया है, जहां पारंपरिक अथवा हथियारों, सकरी गलियों और जंगली युद्ध के मैदानों के स्थान पर कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर और स्मार्टफोन ने ले लिया है। जिसके फलस्वरूप यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल अपने अपने घरों में बैठकर सड़कों, मैदानों तथा जंगल में युद्ध छेड़ सकते हैं। अपने सूचना तंत्र तथा तकनीकी ज्ञान तथा उपकरणों के दम पर युवाओं तथा आम जनता के मध्य झूठी खबर फैलाकर आतंकवादियों एवं अलगाववादियों संगठनों की मंशा के अनुरूप तोड़ मरोड़ कर परिस्थितियां तैयार कर युवाओं को देश के खिलाफ भड़का कर असामाजिक स्थिति पैदा कर देते हैं।

यह सफेदपोश आतंकवादी अधिकारी, नेताओं, व्यवसायियों की गुप्त सूचना प्राप्त कर उन उनको ब्लैकमेल कर धन राशि तथा सूचना एकत्र कर आतंकवादियों की मदद करते हैं। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स तब और ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं, जब देश की संवेदनशील सामरिक सूचनाएं आतंकवादियों तथा दुश्मन देश को अपने तकनीकी ज्ञान के दम पर हैक करके भेजना शुरू कर देते हैं। जिससे देश की सुरक्षा संबंधी सब गुप्त सूचनाएं एवं नवीनतम रणनीति, दुश्मनों के समक्ष उजागर हो जाती है। जिससे देश की सुरक्षा तथा जानमाल को बहुत ज्यादा खतरा बन जाता है। अब ज्यादातर आतंकवादी संगठन टेक्निकल सहायता लेकर मैदानों, फील्ड में ना जाकर टारगेटेड मिसाइल तथा एयरक्राफ्ट से विनाश करने में लगे हुए हैं। अब नई टेक्नोलॉजी में ड्रोन भी सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित होने लगे हैं। हालाँकि की सुरक्षा एजेंसियां आतंकवाद को खत्म करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर उनसे निपटने की तैयारी करते हैं। अमेरिका का काबुल पर आतंकवादियों के खिलाफ ड्रोन का इस्तेमाल सबसे बड़ा और नवीनतम उदाहरण है। पर दूसरी तरफ आतंकवाद से जुड़े उग्रवादी लोग भी ड्रोन का इस्तेमाल कर विध्वंस की साजिश करने से नहीं चूक रहे हैं। कुल मिलाकर नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स वैश्विक तथा भारत की शांति के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं जिन्हें बहुत जल्दी खोज कर इनकी पहचान किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

भारत में सैमसंग के अगले एआई स्मार्टफोन का प्री-रिजर्वेशन शुरू

पटना। देश की प्रमुख कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन के लिए भारत में प्री-रिजर्वेशन की घोषणा कर दी है। इस नई गैलेक्सी एस सीरीज स्मार्टफोन को 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित ह्यगैलेक्सी अनपैक्डह्ण कार्यक्रम में पेश किया जाएगा। ग्राहक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि देकर नए गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्वेशन सैमसंगडॉटकॉम, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, अमेजनडॉटइन, फ्लिपकार्टडॉटकॉम और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को नए गैलेक्सी र सीरीज डिवाइस की खरीद पर 2,699 रुपये तक के विशेष लाभ मिलेंगे। कंपनी के अनुसार, नई गैलेक्सी एस सीरीज को इस तरह तैयार किया गया है कि रोजमर्रा के काम आसान हों, यूजर का आत्मविश्वास बढ़े और गैलेक्सी एआई फीचर्स शुरू से ही सहज और स्वाभाविक अनुभव दें।

अंबरनाथ पश्चिम जांबुल फाटा के पास सिग्नल बिठाने की मांग

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंबरनाथ पश्चिम कल्याण बदलापुर मार्ग पर वाहनों का आवागमन निरंतर बढ़ता जा रहा है। यही नही सुबह और शाम के समय सर्वोदय नगर और आस पास की इलाकों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों, स्कूली छात्रों को सड़क पार करना खतरे से खाली नहीं है। जिसके कारण अंबरनाथ पश्चिम के जांबुल फाटा के पास स्थानीय नागरिकों कि ओर से सिग्नल बिठाने मांग की गई है। मिली जानकारी के अनुसार अंबरनाथ के सर्वोदय नगर और आसपास के इलाकों में बड़ी में रहिवासी यहां की इमारतों में रहने आ रहे हैं। कल्याण बदलापुर हाईवे के समीप स्थित सर्वोदय नगर, शिवशक्ति कॉम्प्लेक्स के निवासियों को सड़क पार करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है जिसके कारण यहां के रहवासियों ने ट्रैफिक विभाग से जांबुल फाटा के पास सिग्नल लगाने की माँग की है।

एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ऑनलाइन सेक्स रैकेट का पर्दाफाश, महिला एजेंट गिरफ्तार

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। ठाणे जिले के एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय के जोन-1 की टीम ने एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर चल रहे ऑनलाइन सेक्स रैकेट का पदार्फाश करते हुए एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य महिला आरोपी फरार बताई जा रही है। पुलिस ने इस कार्रवाई में दो पीड़ित युवतियों को देह व्यापार के चंगुल से मुक्त कराया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जोन-1 के डीसीपी राहुल चव्हाण (आईपीएस) को मुंबई के एक एनजीओ से सूचना मिली थी कि नयानगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के भारती पार्क, मनी पैलेस नाका स्थित बालाजी इंटरनेशनल होटल के पास एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर देह व्यापार संचालित किया जा रहा है। आरोपी महिला एजेंट ग्राहकों को लड़कियों की तस्वीरें भेजकर गूगल पे के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान लेती थी और फिर युवतियों की सप्लाई करती थी। सूचना के आधार पर डीसीपी राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने बोगस ग्राहक भेजकर जाल बिछाया और छापा मारकर एक महिला दलाल को हिरासत में लिया। मौके से दो पीड़ित युवतियों को भी मुक्त कराया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार महिला और फरार मास्टरमाइंड पिछले एक वर्ष से मुंबई, वसई-विरार और मीरा-भायंदर क्षेत्र में एस्कॉर्ट सर्विस की आड़ में यह अवैध कारोबार चला रही थीं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस नेटवर्क के माध्यम से अब तक कितनी युवतियों को देह व्यापार में धकेला गया और कितने ग्राहकों को सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 143(3), 3(5) तथा अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम (पीटा एक्ट) की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, मुक्त कराई गई दोनों युवतियों को विधिक प्रक्रिया के तहत महिला सुधार गृह भेजा गया है। यह कार्रवाई एमबीवीवी आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में डीसीपी राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में नवघर पुलिस स्टेशन की महिला पीआई तृप्ति देशमुख, पीएसआई संदीप व्हसकोटी, एचसी प्रदीप काटकर, एचसी अभिजीत ठाकुर, डीसीपी कार्यालय के पीसी शुभम बोडके, महिला पुलिस दीपाली पवार, संगीता चाबरे सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। पुलिस फरार महिला आरोपी की तलाश में जुटी है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

भिवंडी तहसील के मुंबई-नाशिक महामार्ग पर कंटेनर पलटने से 3 किलोमीटर तक लगा लंबा जाम

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई-नाशिक महामार्ग पर भिवंडी तालुका अंतर्गत कुकसे गांव की सीमा में नाशिक की ओर जा रहा एक विशाल कंटेनर पलटने की घटना सामने आई है। यह कंटेनर कुकसे गांव की सीमा में स्थित भोईरपाड़ा के गोदाम परिसर से माल लेकर रवाना हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रास्ते का सही अंदाजा न लगने और चालक का वाहन पर से नियंत्रण छूट जाने के कारण कंटेनर मुख्य सड़क पर पलट गया। इस दुर्घटना के चलते कुकसे से येवई तक के मार्ग पर भारी यातायात जाम लग गया, जिससे 2 से 3 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। इस हादसे में कंटेनर चालक को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पड़घा पुलिस और महामार्ग यातायात पुलिस मौके पर पहुंच गई तथा यातायात को सुचारू करने के प्रयास जारी हैं।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने की जेनो हेल्थ मेडिकल स्टोर का उद्घाटन

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। वसई वेस्ट स्थित एस टी डिपो के पास, जनता बाजार के सामने जेनो हेल्थ मेडिकल स्टोर का भव्य उद्घाटन वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित के हस्ते संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और किफायती दवाइयों की उपलब्धता नागरिकों के लिए अत्यंत आवश्यक है। जेनो हेल्थ मेडिकल स्टोर के शुरू होने से स्थानीय लोगों को अच्छी दवाइयाँ और स्वास्थ्य संबंधी सेवाएँ आसानी से और उचित दरों पर उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम में नगरसेवक प्रदीप पवार, मयंक शेठ, भूपेश कुडलकर, संतोष काकड़, नंदकिशोर पवार, पुंडलिक राठौड़ सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। साथ ही मेडिकल स्टोर के मैनेजर और स्टाफ भी कार्यक्रम में मौजूद थे। सभी अतिथियों ने नए व्यवसाय की सफलता की कामना करते हुए टीम को हार्दिक बधाई दी।

जिला परिषद पालघर द्वारा किसानों के सशक्तिकरण हेतु भव्य किसान मेला आयोजित

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। किसानों को आधुनिक तकनीक, सरकारी योजनाओं और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से जिला परिषद पालघर के कृषि एवं पशुसंवर्धन विभाग द्वारा गुरुवार 12 फरवरी 2026 को जिला परिषद परिसर में भव्य किसान मेला एवं जनसंपर्क शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक राजेंद्र गावित के शुभ हाथों फीता काटकर किया गया।

मेले के प्रवेश द्वार पर कृषि विभाग द्वारा ट्रैक्टर, पावर टिलर, अर्थ ऑगर, ब्रश कटर, कल्टीवेटर सहित अन्य आधुनिक कृषि उपकरणों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसने किसानों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इसके अलावा टिश्यू कल्चर से तैयार केले के पौधे, विभिन्न कृषि रोपण सामग्री और अन्य कृषि उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया। उमेद अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्वयं सहायता महिला समूहों द्वारा लगाये गये स्टॉल भी मेले का मुख्य आकर्षण रहे। इन स्टॉलों पर चिकू और आंवले से बने खाद्य पदार्थ, शरबत, पापड़, घरेलू अचार, मशरूम, चावल, रागी बिस्कुट सहित कई घरेलू उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री की गई। कृषि व पशुसंवर्धन विभाग की योजनाओं की जानकारी देने वाले स्टॉल भी लगाये गये। विधायक राजेंद्र गावित सहित उपस्थित अतिथियों ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर उत्पादों की जानकारी ली और महिला समूहों के प्रयासों की सराहना की।

जननायक बिरसा मुंडा सभागृह में कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर प्रगति करने वाले किसानों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी ने अपने प्रस्ताविक भाषण में कहा कि सरकार की

अनुदान एवं सहायता योजनाओं का लाभ प्रत्येक किसान तक पहुंचाना, उनकी समस्याओं को समझना और सीधे संवाद स्थापित करना इस मेले का प्रमुख उद्देश्य है। आत्मा(ए टी एम ए)परियोजना संचालक विनायक पवार ने किसानों व पशुपालकों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। विधायक राजेंद्र गावित ने अपने संबोधन में कहा कि जिला परिषद ने बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कृषि स्वावलंबन योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया है। इन योजनाओं के माध्यम से 1886 लाभार्थियों को कुओं का लाभ मिला, जिससे किसानों के खेतों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हुई है। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान मजबूत होगा तो देश भी मजबूत होगा। उन्होंने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर आधुनिक कृषि पद्धतियां अपनाने का आह्वान किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि प्रशासन सरकार की योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करके उन्हें अंतिम पंक्ति के किसानों तक पहुँचाने का प्रयास कर रहा है और इस मौके पर उन्होंने सभी सम्मानित किसानों को बधाई दी।अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने कहा कि बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना का लाभ सभी किसानों और वनपट्टाधारकों को लेना चाहिए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पलायन रुकेगा और स्थिरता आयेगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 से 2025 के बीच 1886 कुओं के लिए लगभग 50.89 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है, जिससे प्रति वर्ष औसतन 21.82 करोड़ रुपये की आर्थिक वृद्धि हुई है और लगभग 642.27 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित हुआ है। इस अवसर पर पशुसंवर्धन विभाग के राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत ग्रामीण भारत में गोवंश की उत्पादकता में सुधार कर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (मैत्री) परियोजना के तहत बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन निर्माण (मैत्री) प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर तन्वी तरे को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। दोपहर सत्र में पशुसंवर्धन विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक पाटील, मुख्य लेखा वित्त अधिकारी सचिन कवठे, जिला कार्यक्रम अधिकारी (एमबीएसी) व्यंकटराव हुंडेकर, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

चेंबूर के श्री नागेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि महोत्सव की जोरदार तैयारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भगवान भोलेनाथ का पवित्र पर्व महाशिवरात्रि करीब है। ऐसे में मुंबई के नगर उपनगर के शिवालयों में महाशिवरात्रि पर्व के आयोजन की जोरदार तैयारी शुरू हो गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में हर साल की भांति इस बार भी चेंबूर के घाटला गांव संभाजी नगर में श्री नागेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व की तैयारी जोरों से शुरू है। संस्था के अध्यक्ष प्रमोद कुमार हंसराज पांडे ने बताया कि पिछले 30 वर्षों से लगातार 2दिवसीय कार्यक्रम अंतर्गत श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ, हवन, महाआरती के साथ विशाल भंडारा का आयोजन यहां सम्पन्न होता है।

इस बार15,16 फरवरी को महाशिवरात्रि मनाया जायगा। संस्था के अध्यक्ष प्रमोदकुमार हंसराज पाण्डेय ने बताया कि इस बार मुंबई ,नवी मुंबई ठाणे से सैकड़ों मानस मण्डल श्रीरामचरितमानस पाठ में सम्मिलित होंगे।,देश के समस्त मानस मंडलो की सेवा में रहने वाली संस्था मानस परिवार सेवा ट्रस्ट का मुख्यालय भी श्री नागेश्वर महादेव मंदिर ही है।

बालासाहेब के विचारों का संकल्प, मीरा-भायंदर में स्वास्थ्य सेवा का महायज्ञ

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। हिंदू हृदय सम्राट और शिवसेना प्रमुख आदरणीय बालासाहेब ठाकरे केवल एक नाम नहीं, बल्कि लाखों शिवसैनिकों के लिए ऊर्जा के स्रोत और आम नागरिकों के लिए सहारा रहे हैं। उनके 80 प्रतिशत समाजकारण और 20 प्रतिशत राजनीति के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए, उनकी जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मीरा-भायंदर में जनसेवा का एक व्यापक अभियान शुरू किया गया है। महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिले की पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक के मार्गदर्शन में, शिवसेना की मीरा-भायंदर नगर शाखाओं द्वारा 23 जनवरी से 23 फरवरी 2026 तक शहर के सभी 24 वार्डों में ह्यमहा आरोग्य एवं निःशुल्क प्रमाणपत्र वितरण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

यह शिविर प्रतिदिन विभिन्न

वार्डों में आयोजित किया जा रहा है। इसमें सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ हृदय रोग, कैंसर, एंजियोप्लास्टी, बाईपास सर्जरी, गठिया जैसे गंभीर रोगों के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

नेत्र जांच के बाद जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त चश्मे वितरित किए जा रहे हैं। इसके अलावा थायरॉइड, अस्थमा सहित अन्य दीर्घकालिक बीमारियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

नागरिकों को विभिन्न सरकारी दस्तावेजों के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इस उद्देश्य से शिविर में आधार कार्ड, राशन कार्ड, निवास प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र और ई-श्रम कार्ड जैसी आवश्यक सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। आयोजकों के अनुसार, नागरिकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि यह पहल सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

मीरा-भायंदर के प्रत्येक क्षेत्र से मिल रही उत्साहपूर्ण भागीदारी को बालासाहेब ठाकरे को सच्ची श्रद्धांजलि बताया जा रहा है। उच्च शिक्षित डॉक्टरों और समर्पित शिवसैनिकों की टीम के सहयोग से यह अभियान केवल एक कार्यक्रम न रहकर जन आंदोलन का रूप ले चुका है। स्थानीय शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा, ह्नसाहब ने हमें हमेशा आम आदमी की सेवा करना सिखाया। उनकी जन्म शताब्दी के अवसर पर मीरा-भायंदर के प्रत्येक नागरिक को स्वास्थ्य सेवाएं और आवश्यक प्रमाणपत्र उपलब्ध कराना हमारा कर्तव्य है। शिवसेना ने नगर निगम क्षेत्र के सभी नागरिकों से इस अभियान का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।

भिवंडी में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित करने की विधायक महेश चौघुले ने मुख्यमंत्री से किया मांग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पावरलूम उद्योग नगरी के रूप में पहचाने जाने वाले भिवंडी में वस्त्र उद्योग को प्रोत्साहन देने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाने की मांग भिवंडी पश्चिम विधानसभा के विधायक महेश चौघुले ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से निवेदन के माध्यम से किया है। अपने पत्र में विधायक चौघुले ने उल्लेख किया है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा वस्त्र उद्योग के लिए एकीकृत कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। इनमें खादी, हथकरघा और हस्तकला को बढ़ावा देने हेतु महात्मा गांधी ग्राम स्वराज अभियान, मिशन समर्थ 2.0, राष्ट्रीय फाइबर योजना, टेक्स इको पहल, पारंपरिक टेक्सटाइल क्लस्टर आधुनिकीकरण योजना तथा मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण निर्णय

शामिल हैं। इन योजनाओं से वस्त्र उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। भिवंडी को कपड़ों का मैनचेस्टर कहा जाता है। महाराष्ट्र से होने वाले वस्त्र निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत उत्पादन भिवंडी क्षेत्र से होता है। यहां बड़े पैमाने पर पावरलूम, रंगाई-प्रसंस्करण इकाइयां और उनसे जुड़े उद्योग कार्यरत हैं, जिन पर लाखों श्रमिकों और लघु उद्यमियों की आजीविका निर्भर है। हालांकि, आधारभूत सुविधाओं, आधुनिक तकनीक, एकीकृत प्रोसेसिंग केंद्र, भंडारण, लॉजिस्टिक्स और निर्यात सुविधाओं की कमी के कारण स्थानीय उद्योग अपेक्षित प्रतिस्पर्धात्मकता हासिल नहीं कर पा रहे हैं। विधायक चौघुले ने कहा कि सरकार के नए एकीकृत वस्त्र उद्योग कार्यक्रम के तहत यदि भिवंडी में मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किया जाता है, तो स्थानीय उद्योगों को मजबूत समर्थन मिलेगा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और निर्यात क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। इसलिए भिवंडी शहर के वस्त्र उद्योग की क्षमता और योगदान को ध्यान में रखते हुए यहां मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को सैद्धांतिक मंजूरी दी जाए इस निवेदन पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सकारात्मक रुख दिखाते हुए आगे की कार्यवाही के लिए प्रस्ताव संबंधित विभाग को भेजे जाने की जानकारी विधायक महेश चौघुले ने दी है।

बिना मंजूरी फ्लैट बेच कर धोखाधड़ी आयोग ने भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता एंड कंपनी को लगाई कड़ी फटकार

सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन मामले में खरीदार मनोज दुबे को मिला न्याय, बिल्डर पर भारी जुर्माना

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महाराष्ट्र राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, मुंबई ने एक अहम फैसले में सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. से जुड़े मामले में खरीदार मनोज दुबे के पक्ष में निर्णय देते हुए कंपनी के प्रमोटर और जिम्मेदार पदाधिकारी विधायक नरेंद्र एल. मेहता की सेव्हन इलेवन कंपनी को कड़ी फटकार लगाई है। आयोग ने इसे सेवा में कमी, धोखाधड़ी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार का मामला माना। ज्ञात हो कि मनोज दुबे ने भायंदर (पूर्व) स्थित सेवन इलेवन रेजिडेंसी में 7 वीं मंजिल पर फ्लैट नंबर ञ706 के लिए 12 फरवरी 2013 को रजिस्टर्ड एग्रीमेंट किया और काफी राशि जमा की। शेष भुगतान के लिए उन्होंने इंडियाबुल फाइनेंस हाउसिंग लोन के लिए आवेदन किया, लेकिन बिल्डर के पास 7वीं मंजिल के निर्माण की स्वीकृत योजना ही नहीं थी, क्योंकि अनुमति केवल चौथी मंजिल तक थी। इसी कारण बैंक ने लोन रद्द कर दिया। बाद में बिल्डर ने संशोधित अनुमति प्राप्त की, फिर भी मेहता एण्ड कंपनी ने भुगतान में देरी का दोष खरीदार पर डालकर भारी ब्याज और पेनल्टी की मांग की।

कंपनी के इस तरह मांग पर आयोग ने माना कि बिल्डर अपनी ही

गलती का फायदा नहीं उठा सकता, क्योंकि बिना अनुमति 7वीं मंजिल का फ्लैट बेचकर एग्रीमेंट करना गंभीर अपराध है। रद्दीकरण और दादागिरी पूर्ण रवैया माना, खरीदार मनोज दूबे ने अन्य बैंक से लोन की व्यवस्था कर भुगतान करने की कोशिश की, लेकिन बिल्डर ने 9 जनवरी 2014 को एकतरफा तरीके से एग्रीमेंट रद्द करने का पत्र जारी कर दिया और भुगतान स्वीकार करने से भी इनकार कर दिया। मेहता के इस रवैए पर आयोग ने कहा कि रजिस्टर्ड एग्रीमेंट को केवल एक पत्र से रद्द नहीं किया जा सकता और बिल्डर का यह आचरण स्पष्ट रूप से अनुचित है। आयोग ने धांधली स्वरूप यह भी पाया कि आवंटन पत्र में क्षेत्रफल 590 वर्ग फुट बताया गया, जबकि एग्रीमेंट में कार्पेट एरिया 472 वर्ग फुट दशार्या गया, यह विसंगति भी अवैध और अस्पष्ट है। आयोग का आदेश आयोग ने बिल्डर, प्रमोटर नरेंद्र एल. मेहता और रजनीकांत सिंह को संयुक्त रूप से जिम्मेदार ठहराते हुए आदेश दिया कि वे फ्लैट का खाली और शांतिपूर्ण कब्जा दें। साथ ही खरीदार को मानसिक उत्पीड़न के लिए 2.5 लाख रुपए मुआवजा, 50 हजार रुपए मुकदमे का खर्च तथा डिफॉल्ट की तारीख से वास्तविक कब्जा मिलने तक प्रतिदिन 1000 रुपए का भुगतान करने को कहा। आयोग के इस आदेश से यह स्पष्ट होता है कि बिना वैध अनुमति के बिल्डर एग्रीमेंट नहीं कर सकते और बिल्डर की गलती से हुई देरी का दंड खरीदार पर नहीं डाला जा सकता। रियल एस्टेट लेन-देन में पारदर्शिता और निष्पक्षता अनिवार्य है। इस फैसले को उपभोक्ता अधिकारों की महत्वपूर्ण जीत माना जा रहा है, जिससे खरीदार को वर्षों की परेशानी के बाद अपने घर का अधिकार और मुआवजा दोनों सुनिश्चित हुआ है।

पालघर सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने रेल मंत्री से की मुलाकात, यात्रियों की समस्याओं पर चर्चा

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर पालघर जिले के रेल यात्रियों की विभिन्न समस्याओं को उठाया। उन्होंने लोकल और टएटव ट्रेनों की देरी, एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव और विशेष ट्रेनों को नियमित करने जैसी महत्वपूर्ण मांगें रखीं। डॉ. सावरा ने दहानू-विरार रूट पर लोकल ट्रेनों को मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए साइडिंग में खड़ा करने पर रोक लगाने और पीक आवर्स में लोकल ट्रेनों को प्राथमिकता देने की मांग की। साथ ही दहानू रोड से पहली लोकल ट्रेन का समय सुबह 4:40 बजे से बदलकर 4:00 बजे करने का प्रस्ताव रखा, ताकि यात्रियों को समय पर चर्चगेट पहुंचने में सुविधा हो। उन्होंने पालघर स्टेशन पर 12935/36 बांद्रा-सूरत इंटरसिटी, 20941/42 बांद्रा-गाजीपुर, 12971/72 बांद्रा-भावनगर और 12009/10 शताब्दी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की। इसके अलावा दहानू रोड स्टेशन पर कुछ सुपरफास्ट

ट्रेनों के ठहराव की भी अपील की। सांसद ने 09055/09056 और 09035/09036 विशेष ट्रेनों को नियमित दैनिक ट्रेन के रूप में चलाने और जनरल किराया लागू करने की मांग की। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्रेनों की देरी का रिव्यू कर उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले विधायक राजन नाईक, सौंपा मेमोरेंडम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई स्थित मुख्यमंत्री हॉल में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने मुलाकात की। इस दौरान विधायक नाईक ने मुख्यमंत्री को एक विस्तृत मेमोरेंडम सौंपा। मेमोरेंडम में वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉपोरेशन में सरकार के आदेशानुसार बनाए गए वार्ड स्ट्रक्चर को यथावत बनाए रखने की मांग की गई। विधायक ने कहा कि वर्तमान वार्ड संरचना स्थानीय प्रशासनिक संतुलन और नागरिक सुविधाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक है। इसके साथ ही खरावदेशरी और नारंगी गांवों के बीच स्थित खाड़ी क्षेत्र में एक जेटी यार्ड बनाए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से स्थानीय मछुआरों को बड़ी सुविधा मिलेगी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और वसई-विरार क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिलेगी। विधायक राजन नाईक ने विश्वास जताया कि राज्य सरकार स्थानीय हितों को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक निर्णय लेगी। मुख्यमंत्री ने भी प्रस्तावों पर गंभीरतापूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

बॉलीवुड वाइफ्स ने खोला राज: अक्षय कुमार की समय की पाबंदी सबकी नींद क्यों उड़ा देती है

मुंबई/पटना। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' का आगामी एपिसोड हंसी-मजाक और बेबाक खुलासों से भरा रहा। इस दौरान 'बॉलीवुड वाइव्स' ने एक ऐसी चीज के बारे में बात की जो उन्हें अक्षय कुमार के बारे में वास्तव में डराती है—और वो है उनकी समय की पाबंदी। भावना पांडे ने सबको हैरान कर दिया जब उन्होंने बताया कि अक्षय के समय पर आने के डर से वह पूरी रात सो नहीं पाईं। उन्होंने हंसते हुए कहा, मैं पूरी रात सो नहीं पाई। एक होता है आईएसटी (भारतीय मानक समय) और दूसरा होता है एकेटी, यानी अक्षय कुमार टाइम। एक किस्सा साझा करते हुए भावना ने याद किया कि एक सुबह की शूटिंग के लिए उन्होंने अक्षय को प्रभावित करने के लिए घर से बहुत जल्दी निकलने की कोशिश की, लेकिन जब वह सेट पर पहुँचीं, तो देखा कि अक्षय उनसे भी पहले पहुँच चुके थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में मामूली कहासुनी में बड़े भाई ने कर दी छोटे भाई की गला दबाकर हत्या

पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

रियाजुल हक

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के ताखा पूरब गांव में मामूली विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई की गला दबा कर हत्या कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्ट मार्टम भेज दिया। वहीं आरोपित को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया है।

क्षेत्र ताखा पूरब गांव बुधवार की रात नौ बजे के करीब उक्त गांव निवासी 25 वर्षीय सुदर्शन यादव पुत्र विजय राज यादव के बड़े भाई अरबिंद यादव से शराब के नशे में घुत होकर

मामूली कहासुनी के बीच दोनों के बीच मारपीट हो गया। जिसमें बड़े भाई ने छोटे भाई की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं आरोपित युवक को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। वहीं परिजनों ने बताया कि मृतक मुम्बई रहता था। एक सप्ताह पूर्व घर आया था। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को भी दोनों भाइयों में विवाद हुआ था। जिसमें अरबिंद ने अपनी साइकिल को भी जला दिया था।

दवा प्रतिनिधियों की अखिल भारतीय हड़ताल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूपीएमएसआरए एवं एफएमआरएआई के आवाहन पर अन्य श्रमिक संगठनों के साथ जौनपुर के समस्त दवा प्रतिनिधि श्रमिकों के गुलामी के प्रतीक चार श्रम संहिताओं के विरुद्ध अपनी मांगो को लेकर हड़ताल पर रहे। जौनपुर ईकाई के सभी दवा प्रतिनिधियों ने इकाई कार्यकाल बीआरपी मैदान से दिन में 11:30 बजे से विशाल जुलूस रैली निकल कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर माननीय प्रधानमंत्री जी को अपनी मांगो को लेकर एक ज्ञापन द्वारा जिला अधिकारी भेजा। ज्ञापन में निम्नलिखित प्रमुख मांगें है।

चार श्रम संहिताओं को निरस्त करें और बिक्री संवर्धन कर्मचारी अधिनियम, 1976 सहित मौजूद श्रम कानून को जारी रखें। सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों की निश्चित अवधि रोजगार पर नियुक्त की अनुमति न दें। सुनिश्चित करें कि नियोक्ताओं द्वारा सहस्त्र प्रमोशन कर्मचारियों की कोई छटनी, स्थानांतरण आदि न किया जाए। सभी श्रेष्ठ प्रमोशन कर्मचारियों को समय पर वेतन का पूरा भुगतान सुनिश्चित करें। बिक्री संवर्धन कर्मचारी अधिनियम, 1976 के प्रावधानों के तहत विकृत संवर्धन कर्मचारियों के लिए वैधानिक कार्य नियम बनाएं।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स के माध्यम से निगरानी, ट्रैकिंग और गोपनीयता में घुसपैठ को रोकें। बोनस संदाय अधिनियम, 2015 के अनुसार उत्तर प्रदेश में कार्यरत सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों को बोनस का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अनुसार सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों को चिकित्सा देखभाल, सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाए। श्रम कानून का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं पर मुकदमा चलाकर उन्हें उचित सजा दी जाए। उत्तर प्रदेश औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 2 (जेड) में संशोधन करें तथा ₹बिक्री संवर्धन कर्मचारी₹ को वर्क मैन की परिभाषा में शामिल करें। सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन के निर्धारण के लिए वेतन बोर्ड का गठन करें। उत्तर प्रदेश में कार्यरत सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के लिए न्यूनतम वेतन प्रति माह रुपए 26910 की घोषणा करें। उत्तर प्रदेश में कार्यरत सेल्स प्रमोशन कर्मचारियों के लिए 8 घंटे कार्य दिवस की अनुसूची घोषित करें तथा कार्य के घंटे निश्चित करें।

1 मई मजदूर दिवस₹ को अवकाश घोषित करें। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री बंद करें। यह प्रथा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के विपरीत है और इसके दुरुपयोग की आशंका है। ऑनलाइन फार्मेसी के माध्यम से तर्कहीन और गैर-आवश्यक दवाओं के प्रचार की संभावना सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर शून्य जीएसटी सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य सेवा के लिए बजट आवंटन बढ़ाया जाए।

आज के हड़ताल में मुख्य रूप से मनोज सिंह, अजय चौरसिया, अच्युत्त दुबे, अजय सिंह, अनिल मिश्रा, अनूप श्रीवास्तव, अजीत मौर्य, अमित सिंह,मुकेश मौर्या, सुनील चौधरी, विकास सिंह, बलवंत सिंह, अखिलेश यादव आदि कि महत्वपूर्ण भूमिका रही। संगठन संवाददाता अमित रंजन श्रीवास्तव यू.पी.एम. एस.आर.ए. जौनपुर ईकाई।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर थाना पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के चर्चित मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर कानून का शिकंजा कस दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह सफलता हासिल हुई। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आतिश कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी बदलापुर सुनील चन्द्र तिवारी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को संग्राम बालिका इंटर कॉलेज, कस्बा बदलापुर के पास घेराबंदी कर दोनों अभियुक्तों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरोज कुमार यादव उर्फ संतोष कुमार यादव निवासी सरोखनपुर, थाना बदलापुर तथा प्रिंस तिवारी उर्फ बच्ची निवासी सिरसी, थाना तेजीबाजार के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ थाना बदलापुर में मु0अ0सं0 54/26 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं एवं एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) में मुकदमा दर्ज है।

पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर दोनों को न्यायालय में पेश करने के लिए रवाना कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि महिला अपराधों में संलिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा और अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पीएम श्री योजना के तहत ट्विनिंग कार्यक्रम का हुआ भव्य शुभारंभ

दानिश सिद्दीकी

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड बक्सा क्षेत्र के अंतर्गत एन ई पी 2020 के पीएम श्री विद्यालयों का निजी विद्यालयों के साथ युग्मन के तहत बृहस्पतिवार को पीएम श्री कंपोजिट स्कूल दरियावगंज बक्शा जौनपुर

के बच्चों को मां गुजराती हायर सेकेंडरी स्कूल चुरामणिपुर बक्शा जौनपुर का भ्रमण कराया गया। विद्यालय में स्थित भौतिक विज्ञान ,रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान की प्रयोगशाला के विभिन्न उपकरणों से अवगत कराया गया। कंप्यूटर लैब में भी बच्चों को ले जाकर के कंप्यूटर के विभिन्न भागों को दिखाया गया। पूर्व ए आरपी चतुर्भुज यादव ने वहां के प्रबंधक सूर्यप्रकाश एवं मैनेजिंग डायरेक्टर चंद्रसेन सिंह का बहुत ही सराहना की। इस कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक कुर्बान अली, पूर्व ए आर पी चतुर्भुज यादव, स.अ. अरविंद यादव, राना अंबरीश यादव महेंद्र कुमार निषाद आदि बच्चों के साथ उपस्थित रहे।

प्रेम संबंध में विवाद के बाद युवती की मौत, आरोपी गिरफ्तार

खेतासराय पुलिस ने गैर इरादतन हत्या में किया चालान

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रेम संबंध में हुए विवाद के बाद युवती की मृत्यु के मामले में खेतासराय पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। घटना 15 मई 2025 की है। पुलिस ने मामले को

न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया था। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि विवेचना व संकलित साक्ष्यों के आधार पर यह तथ्य सामने आया कि बाराखुर्द निवासी सोनू उर्फ समीर खान पुत्र जिलानी का मृतका तलात फातिमा के साथ आपसी संबंध था। गत पांच मई की रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान युवक द्वारा धक्का दिए जाने से युवती का सिर दीवार से टकरा गया, जिससे उसे गंभीर चोट आई। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस जांच में आरोपी का कृत्य भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 के अंतर्गत दंडनीय पाया गया। गुरुवार को लगभग 11:55 बजे पुलिस टीम ने आरोपी को भटियारीसराय स्थित एक मदरसे के पास से गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे चालान कर न्यायालय भेज दिया गया।

वर्षों पूर्व बनने के बाद भी पिंक शौचालय बंद

तहसील परिसर में नहीं है महिला शौचालय और प्रशाधन की समुचित सुविधा

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील परिसर में नगर पंचायत ने वर्षों पूर्व दो पिंक शौचालय तो बनाए हैं,किन्तु दोनों का उपयोग अभी तक आम महिलाएं नहीं कर पा रही हैं।उपजिलाधिकारी न्यायिक कोर्ट के सामने बना पिंक शौचालय आज तक खुला ही नहीं है।महिला अधिवक्ता, वादकारी शौचालय के अभाव में तहसील में इधर- उधर भटकती रहती हैं।नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष शबीना बानो ने अपने कार्यकाल में महिलाओं की सुविधा के लिए तहसील परिसर में पिंक शौचालय बनवाया था।काफी दिनों तक शौचालय में ताला लगा रहा।तीन वर्ष बीतने के बाद भी पिंक शौचालय किसी के उपयोग के लिए खुला ही नहीं। इसके बाद शौचालय का ताला तोड़कर समशेबुल, स्टार्टर, विद्युत बल्ब एवं अन्य सामान,टोटी आदि कीमती गायब होता जा रहा है। शौचालय उपयोग न होने एवं देखभाल के अभाव में खंडहर होता जा रहा है। उसके बरामदे का अधिवक्ता, वादकारी मूत्रालय के तौर पर उपयोग कर रहे हैं, जिसके कारण गंदगी का साम्राज्य है। तहसील की महिला अधिवक्ता सरिता मिश्रा, लाडली बेगम, कविता यादव, प्रिंसी तिवारी, प्रमिला पटेल, मनीषा भारती आदि बताती हैं कि एक शौचालय पर सी ओ ऑफिस के कर्मचारियों का कब्जा है तो दूसरे का स्थापना काल से ही उपयोग में नहीं आ सका है। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश चंद्र सिन्हा, नागेन्द्र श्रीवास्तव, रामजी गुप्ता, दयानाथ पटेल, महामंत्री आलोक विश्वकर्मा, अशोक कुमार मिश्रा आदि का कहना है कि महिला वादकारी, दिव्यांग वादकारी के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं है। तहसील में आए आम जन भी शौचालय की खोज में इधर उधर भटकते रहते हैं लेकिन असफलता ही नजर आती है। जबकि शनिवार को समाधान दिवस पर जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र ने अधिवक्ताओं के ज्ञापन देने पर अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत विजय कुमार सिंह को कड़ा निर्देश दिया। इसके बावजूद भी सोमवार तक जिलाधिकारी के आदेश का अनुपालन नहीं हुआ। नगर पंचायत द्वारा लाखों खर्च कर बने शौचालय आम जन के उपयोग में नहीं आ रहे हैं लेकिन नगर पंचायत के अभिलेख में गतिशील है और साफ सफाई, मरम्मत का भी पैसा निकल रहा होगा।

महिला अधिवक्ता और वादकारी प्रतिदिन होते हैं परेशान

मार्ग की बदहाली को लेकर विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

मछलीशहर विधानसभा के मोकलपुर से पवारेपुर तक मार्ग क्षतिग्रस्त, राहगीरों को समस्या

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर की सपा विधायक डॉ रागिनी सोनकर ने मार्ग की बदहाली को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश

महाना को बुधवार को पत्र लिखा है। शासन-प्रशासन की उदासीनता और लापरवाही के चलते राहगीरों का आवागमन मुश्किल है। विधायक ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर क्षतिग्रस्त मार्ग को बनवाने की मांग की है। विधानसभा में अभिमन्यु यादव और भारत यादव के माध्यम से याचिका दायर की गई है।

क्षेत्र के किशुननपुर निवासी अभिमन्यु यादव और गद्दोपुर निवासी भारत यादव के माध्यम से याचिका दायर कर अवगत कराया कि विधानसभा क्षेत्र के मोकलपुर से पवारेपुर तक दो किमी मार्ग पूरी तरह से खराब है। रास्ते में बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे बन गए हैं जिससे आए दिन दुर्घटना में राहगीर घायल हो रहे हैं। इतना ही नहीं गड्ढों में पानी भर जाने से आने-जाने वाले राहगीर गिरकर घायल हो रहे हैं। इससे स्कूली छात्रों एवं स्थानीय नागरिकों को आवागमन में काफी समस्या हो रही है। बताया कि समस्या को लेकर कई बार सरकार और प्रशासन को अवगत कराया गया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। विधायक ने आम जनमानस के हित को लेकर सरकार और प्रशासन की मंशा पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार पूरे प्रदेश की सड़कों की गड्ढामुक्ति की बात करती है वहीं दूसरी तरफ शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक सड़कों की हालत खराब है। सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क है, यह बताना मुश्किल है। शासन - प्रशासन को आम जनमानस और राहगीरों के हित से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि सड़क की समस्या को लेकर सरकार और जिम्मेदार अधिकारी गंभीर नहीं है। अधिकारियों की संवेदनहीनता के चलते लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष से जल्द से जल्द मार्ग के नवनिर्माण की मांग की है।

मानकों की अनदेखी पर भड़के ग्रामीण, सीसी सड़क मानक विहीन निर्माण कार्य का आरोप

पाराकमाल में ठेकेदार पर घटिया निर्माण का आरोप, जांच की मांग

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के पाराकमाल गांव में पानी टंकी के पास बन रहे मुख्य मार्ग की सीसी सड़क निर्माण को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। गुणवत्ता में अनियमितता का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर विरोध किया और कार्य को गुडवत्तापूर्ण कार्य करने की मांग किया।

ग्रामीणों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग की देखरेख में कराए जा रहे निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों की अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि सड़क की मोटाई तय मानक से कम रखी जा रही है तथा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। ढलाई के दौरान सीमेंट की मात्रा कम इस्तेमाल करने और बेस को मजबूत न बनाने की भी शिकायत की गई।

ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क गांव की प्रमुख संपर्क मार्ग है, जिससे होकर लोग बाजार, स्कूल, सरकार विकास कार्यों के लिए धन उपलब्ध करा रही है, लेकिन यदि

अस्पताल व आसपास के गांवों में आवागमन करते हैं। यदि निर्माण कार्य में लापरवाही बरती गई तो सड़क जल्द ही क्षतिग्रस्त हो जाएगी, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में कथित गड़बड़ी पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि ठेकेदार मनमानी करेंगे तो योजनाओं का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कराने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग किया है। गांव निवासी मो0 फैज,राशिद खान, ताहिर, हलीम, राकेश नंदलाल, धर्मेन्द्र कुमार आदि ग्रामीणों ने घटिया निर्माण का आरोप लगाया।

धूमधाम से मना विद्यालय का वार्षिकोत्सव

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर बच्चों ने लोगों का मन मोहा

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जेसी मार्डन चिल्ड्रेन हाईस्कूल कलापुर मे गुरुवार को मां सरस्वती

की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्य क्रम की शुभारंभ कर वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को देश का उत्कृष्ट नागरिक बनाने में माता-पिता के बाद शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका होती है। ऐसे में बच्चों को संस्कार वान बनाने के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा देनी जरुरी है। शिक्षा के साथ साथ नौनिहालों को खेलकूद तथा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना चाहिए शिक्षक से ही बच्चे प्रेरणा व अनुशासन का पाठ सीखते हैं। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुति देकर क्रार्यक्रम को यादगार बना दिया बच्चों ने एकल व सामूहिक नृत्य, ड्रामा, नाटक का मंचन प्रस्तुत करके समाज के लोगों को जागरूक किया। हाईस्कूल, इंटरमिडिएट में प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करनेवाले छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा सृमृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। विशिष्ट अतिथि बृजेश यादव ब्लाक प्रमुख व सुनील यादव ब्लाक प्रमुख। प्रतिनिधि ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता अजय यादव मंडल अध्यक्ष गभिरन तथा संचालन संदीप कुमार गुप्ता ने किया। इस मौके पर प्रफुल्लचंद्र मौर्य,कमला प्रसाद सिंह, नन्दलाल राजभर, राम अचल, प्रधान संतलाल सोनी आदि मौजूद रहे।

सरल एवं सादगी के प्रतिमूर्ति थे स्व.चौधरी अजीत सिंहः मिर्जा जावेद सुल्तान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसान मसीहा स्व. चौधरी अजीत सिंह का जन्मदिन मनाया गया। रालोद अर्बन कमेटी के सदस्य मिर्जा जावेद सुल्तान के कटघरा स्थित आवास पर किसान संगोष्ठी के आयोजन उपरांत मिर्जा जावेद सुल्तान के नेतृत्व में रालोद नेताओं के द्वारा सदर अस्पताल में

मरीजों को फल वितरण किया गया। किसान संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मिर्जा जावेद सुल्तान ने कहा कि स्व. चौधरी अजीत सिंह सरल एवं सादगी के प्रतिमूर्ति थे। स्व. चौधरी ने औद्योगिक सुधारों का ड्राफ्ट तैयार किया, लाइसेंस राज को समाप्त किया। भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन और किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। उन्होंने सदैव किसानों के अधिकार की आवाज को बुलन्द की और बिना थके, बिना झुके समाज के हित में कार्य करते रहे। उनका जीवन हमें संघर्ष, समर्पण और सेवा की प्रेरणा देता है। आज उनके जन्मदिन पर हम सभी संकल्प लेते हैं कि उनके आदर्शों पर चलकर समाज और देश की सेवा करेंगे। इस अवसर पर अशोक यादव प्रदेश सचिव, उपाध्यक्ष राम बदन सरोज, वरिष्ठ नेता सत्य नारायण यादव, जिला प्रवक्ता दयाशंकर यादव, हैदर मेहदी, साहिल आब्दी, मोहम्मद जलालुद्दीन, खिलाड़ी प्रसाद, रमी मिर्जा आदि लोग उपस्थित रहे।

मरकजी सीरत कमेटी के सदर मजहर आसिफ को नम आंखों से किया गया सुपुर्दे खाक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के मोहल्ला रिजवी खां निवासी मजहर आसिफ का बीती रात दिल का दौरा पढ़ने से निधन हो गया। मजहर आसिफ एक सामाजिक व्यक्ति थे, वर्तमान में मरकजी सीरत कमेटी के सदर थे। उनकी अचानक हुई मृत्यु पर लोगों को विश्वास नहीं हो रहा था कि मजहर आसिफ अब इस दुनिया में नहीं रहें। मजहर आसिफ के जनाजे से लेकर सुपुर्दे खाक तक हजारों की संख्या में मिट्टी देने वाला का ताता लगा रहा।

मजहर आसिफ के घर वाले और उनके चाहने वालों ने नम आँखों के साथ उन्हें विदा किया। उनकी मिट्टी में सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीति के लोग, समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य,समाजवादी पार्टी के जिला महासचिव आरिफ हबीब, डॉ.सरफराज अहमद प्रतिनिधि जफराबाद नगर पंचायत, फिरोज अहमद नगर पंचायत अध्यक्ष कचगांव, जावेद सिद्दीकी, फखरे आलम, शाहनवाज आलम, अनवार अहमद, शहजाद आलम, मड़ियाहूं, से रियाजुल हक, शब्बीर हैदर अम्मार, उत्तरशक्ति न्यूज के उप सम्पादक इम्तियाज अहमद, मन्नू , इरशाद मंसूरी, जफर अहमद, डॉ. हस्सान, सदर सांसद प्रतिनिधि मनोज मौर्य, अधिवक्ता एस ए अंसारी, आदि लोग उपस्थित रहें।

पूर्व डीआईजी की माता की तेरहवीं पर राजनीतिक व प्रशासनिक जमावड़ा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुरेरी-क्षेत्र के भदखिन गांव निवासी पूर्व डीआईजी राधेश्याम विश्वकर्मा की माताजी स्वर्गीय बरफी देवी की तेरहवीं (त्रयोदशाह) के अवसर पर बुधवार को श्रद्धांजलि सभा एवं ब्रह्मभोज का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ-साथ राजनीतिक एवं प्रशासनिक हस्तियों की भी उपस्थिति रही।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने स्व. बरफी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उपस्थित लोगों ने उनके सादगीपूर्ण, धार्मिक एवं त्यागमय जीवन पर प्रकाश डालते हुए उन्हें परिवार और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

इस अवसर पर पूर्व डीआईजी राधेश्याम विश्वकर्मा भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि गांव के साधारण परिवेश में प्रारंभिक शिक्षा से लेकर पुलिस विभाग में डीआईजी जैसे उच्च पद तक पहुंचने की यात्रा उनकी माता के त्याग, संस्कार और प्रेरणा का परिणाम है। उन्होंने बताया कि माताजी ने विपरीत परिस्थितियों में भी उन्हें शिक्षा, अनुशासन और ईमानदारी का मार्ग दिखाया।

कार्यक्रम में पत्रकार संघ के तहसील महामंत्री प्रणवेशकुमार मिश्र मड़ियाहूं इकाई, बृजेश मिश्रा ह्यसिंटूह्ल, राज नारायण गिरी, अजय मिश्रा (एक्टर), अनिल कुमार यादव (हेड कांस्टेबल), वरिष्ठ सपा नेता कैला याद कल्लू मिश्रा, भूपेश सिंह, सहित अनेक राजनीतिक, सामाजिक व प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

बीकॉम के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया के स्थानीय थाना क्षेत्र के भदवर पुलिस चौकी अंतर्गत खुशीपुर गांव स्थित एक लॉज में बुधवार की शाम को सोनभद्र निवासी 20 वर्षीय अस्मित सिंह नामक बीकॉम प्रथम वर्ष का छात्र ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुद्धी सोनभद्र का मूल निवासी सत्येंद्र सिंह का बेटा अस्मित सिंह खुशीपुर स्थित एसएमएस कॉलेज में बीकॉम प्रथम वर्ष में पढ़ाई करता था जो खुशीपुर गांव में ही गुड्डन श्रीवास्तव के मकान में किराए का कमरा लेकर रहता था। शाम को कमरा के न खुलने पर मकान मालकिन पूनम श्रीवास्तव ने बाहर से दरवाजा खटखटाया लेकिन दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे एसीपी रोहनिया संजीव शर्मा तथा थाना प्रभारी राजू सिंह ने मकान के दरवाजा को तोड़कर मृतक की शव को अपने कब्जे में लिया और मृतक के परिजन को फोन के माध्यम से घटना के बारे में सूचना दिया।

सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान हुई मौत

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यह घटना 5 फरवरी 2026 को सुबह 10:36 बजे गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के करमुद्दीनपुर में सोनू हरि रोड के पास हुई थी। फरियादी अरविंद सोनकर अपनी गाड़ी संख्या UP62CS0386 से जौनपुर जा रहे थे, तभी सामने से आ रही बाइक (UP62BN8096) ने उनकी गाड़ी में तेजी से टक्कर मार दी। बाइक सवार हरि सोनकर पुत्र लाला सोनकर निवासी मौजा किरतापुर, थाना जाफराबाद, जिला जौनपुर इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय सदर जौनपुर में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 11 फरवरी 2026 को हरि सोनकर की मृत्यु हो गई। मृतक के परिजन अरविंद सोनकर ने गौराबादशाहपुर थाने में लापरवाही से वाहन चलाने वाले बाइक चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी थी। थाना अध्यक्ष प्रवीण कुमार यादव ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दिया गया है जल्द ही गिरफ्तारी किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाई फांसी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सराय पोख्ता चौकी अंतर्गत मोहल्ला अहमद खा मंडी में एक मकान में आज दोपहर एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटकता हुआ देख परिजनों में हंगामा मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फांसी के फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवक का नाम राज श्रीवास्तव है उसने फांसी किसी अज्ञात कारण से लगाई है। इसकी जानकारी नहीं हो पाई।

स्कूल के परिसर में मिली युवक की अर्धनग्न लाश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र स्थित त्रिलोचन महादेव मंदिर के पास एक स्कूल के परिसर में गुरुवार की सुबह एक युवक की अर्धनग्न हालत में लाश पाई गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाने की पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। मामला गुरूवार की सुबह का बताया जा रहा है। मृतक युवक की पहचान रेह के रहने वाले 22 वर्षीय अखिलेश राजभर के रूप में हुई है। इस मामले की जानकारी लोगों को तब मिली जब सुबह स्कूल के मैदान में आए लोगों ने युवक की लाश को वहां देखा। लाश देखने के लिए लोगों की भीड़ वहां मौजूद हो गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

इस मामले में थाना प्रभारी के अनुसार मृतक युवक के पास से एक सल्फास की शीशी और एक पानी की बोतल बरामद पाई गई है।युवक की मौत का कारण विषाक्त पदार्थ के सेवन से होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार मृतक युवक अखिलेश राजभर मुंबई में निजी कंपनी में काम करता था। मृतक युवक अखिलेश बीते कुछ ही दिनों पहले अपने घर आया हुआ था। मृतक परिवार में तीन बहनों के बीच वह इकलौता भाई था। मृतक के चचेरे भाई राजन ने बताया कि अखिलेश लगभग तीन महीने पहले अपनी बहन की शादी के बाद मुंबई गया था और दो दिन पहले ही घर आया था। आगे उन्होंने बताया कि अखिलेश बुधवार को दोपहर करीब तीन बजे घर से निकला था, उसके बाद वो वापस घर नहीं लौटा।

उतरीजपुर में अखिल भारतीय विराट कुश्ती दंगल

देश-विदेश के अंतराष्ट्रीय पहलवानों ने दिखाए दांव, कई मुकाबले हुए

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा क्षेत्र के उतरीजपुर गांव में बुधवार को अखिल भारतीय विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस महामुकाबले में देश के विभिन्न हिस्सों से आए अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवानों ने भाग लिया। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। उतरीजपुर गांव स्थित प्रसिद्ध साईनाथ महादेव मंदिर पर यह दंगल श्रद्धेय स्मृतिशेष राजाराम यादव की स्मृति में आयोजित किया गया था। प्रतियोगिता सुबह 10 बजे शुरू हुई और शाम 5 बजे तक चली।

दंगल में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पहला मुकाबला दिल्ली के जय और उत्तर प्रदेश के रितेश के बीच हुआ, जिसमें रितेश विजेता रहे। दूसरा मुकाबला बनारस के अर्जुन यादव और गाजियाबाद के अभिषेक के बीच हुआ, जिसमें अर्जुन यादव विजयी हुए। तीसरे मुकाबले में बनारस के विराट ने जौनपुर के द्रोण पाल को हराया। चौथे मुकाबले में विशेषरपुर शम्भूगंज के अनन्त यादव ने आदर्श यादव चौकियां जौनपुर को पराजित किया। पांचवां मुकाबला गाजियाबाद के कार्तिक और बनारस के लालजी के बीच बराबरी पर समाप्त हुआ।

इस प्रतियोगिता में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता राजसिंह चिकारा (हरियाणा), विश्व कांस्य पदक विजेता संदीप यादव, ट्रिपल यूपी केशरी गोपाल यादव, महाराष्ट्र केशरी उदयराज यादव और ट्रिपल यूपी केशरी विजय पाल सहित कई अंतरराष्ट्रीय पहलवान और प्रतिष्ठित हस्तियां मौजूद रहीं। अखिल भारतीय विराट कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन अंतरराष्ट्रीय पहलवान बजरंगी यादव और बलराम यादव बल्ली ने किया। पहलवानों का उत्साहवर्धन करने के लिए जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी बृजेश सिंह (प्रिंशु), ब्लॉक प्रमुख विनय सिंह (महराजगंज), धीरु सिंह (सिकरारा) और अंकित यादव (ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि बक्शा) जैसे वरिष्ठ मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि द्वारा फीता काट कर दंगल का शुभारंभ अपनी उपस्थित में कराया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महावीर यादव एडवोकेट ने की, जबकि संचालन जयप्रकाश यादव और रामसेवक यादव ने किया। कार्यक्रम संयोजक मंडल में अनिल सिंह मुन्ना, सुशील सिंह, संदीप सिंह, कुलदीप सिंह, अर्जुन यादव,लल्लू सिंह, राकेश यादव गुड्डू, रामसिंह यादव, पंकज विश्वकर्मा पत्रकार,अभिनव सिंह, ओमकार मिश्रा पत्रकार, दीपक यादव, रामचंद्र गौतम, विपिन यादव, रतनदीप शर्मा साजन, योगेश्वर नाथ पप्पू, प्रकाश सरेंगर, मनीष गोंड़, प्रशांत कुमार और हरिश्चंद्र गुप्ता कोच सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे। सुरक्षा व्यवस्था में उपनिरीक्षक दुर्गा कुमार यादव, उपनिरीक्षक अरविंद कुमार, हेड कांस्टेबल शिवप्रकाश यादव, उमेश यादव, अंकुश यादव और अरुण यादव अमित सिंह तैनात रहे।

तहसील परिसर के पास राम कथा में जेबकतरों की सक्रियता, अधिवक्ता बने शिकार

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय तहसील परिसर के बगल चल रहे राम कथा के प्रवेश द्वार पर एक अधिवक्ता के जेब से भरी भीड़ में जेब कतरो ने जेब में रखे पैसे गायब कर दिए। पुलिस को दिए गए तहरीर के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिंधाई निवासी अरविंद कुमार जो पेशे से अधिवक्ता हैं। और स्थानीय तहसील में वकालत करते हैं। गुरुवार की शाम लगभग चार बजे तहसील परिसर से सटे रामलीला मैदान में चल रहे राम कथा के शुभारम्भ पर श्रीराम ज्ञान के पूजन के समय बतौर दर्शनार्थी मौजूद थे इसी दौरान अज्ञात जेब कतरो ने अधिवक्ता के जेब मे रखे आठ हजार रुपये पार कर दिए।जब पीड़ित को जानकारी हुई तो उसके पैरो तले जमीन खिसक गई।मामले की जानकारी अधिवक्ता संघ को दी खबर फैलते ही अधिवक्ताओं में आक्रोश उमड़ पड़ा। फिलहाल पीड़ित अधिवक्ता अरविंद कुमार ने लिखित तहरीर देते हुए पुलिस से कार्यवाही की मांग की है। इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर डिप्टी एसपी अजीत सिंह चौहान ने कहा की तहरीर मिली है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

जौनपुर : पर्यटन विभाग ने शीतला चौकियां धाम में शुरू किया सुन्दरीकरण कार्य

चौकियां धाम, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल में आस्था का केंद्र माँ शीतला चौकिया धाम अब आस्था के साथ पर्यटन का भी केंद्र बनेगा। इसके लिये पर्यटन विभाग ने 6 करोड़ रुपए की लागत से सुन्दरीकरण कार्य बुधवार से आरम्भ कर दिया। देखा गया कि मंदिर प्रांगण (बरामदा) के ऊपर लगे टीनशेड को श्रमिक उतारने लगे। इसके बाद मंदिर के बरामदे को तोड़कर पुनः नव्य व भव्य रूप दिया जायेगा। मंदिर के सुन्दरीकारण को लेकर क्षेत्र में कौतूहल बना हुआ है। पर्यटन विभाग ने मंदिर को भव्य रूप देने के लिए नक्शा डिजाइन तैयार कराया है। उसी के अनुरूप सुन्दरीकरण कराया जायेगा। मंदिर के मुख्य द्वार को नये स्वरुप में बनाया जायेगा जिस पर मां शीतला की तस्वीर लगायी जायेगी। द्वार के दोनों तरफ भी माँ शीतला की तस्वीर लगेगी। प्रवेश द्वार पर प्रथम पूजनीय भगवान गणेश जी की मूर्ति स्थापित होगी। मां शीतला माता मंदिर सामने से स्पष्ट, भव्य व आकर्षक स्वरुप में नजर आयेगा। साथ ही मंदिर के पीछे स्थित सरोवर में दो फव्वारे और लगाये जायेंगे। पहले से लगे एक फव्वारे की मरम्मत कराकर चालू कराया जायेगा। श्रद्धालुओं को बैठने के लिये सीटिंग एरिया बनाया जायेगा। सरोवर के चारों तरफ व दीवारों पर आध्यात्मिक चित्र व डिजाइनिंग स्टोन की सेटिंग की जायेगी। धाम की गलियों को इण्टरलाकिंग से सीसी मार्ग कराया जायेगा। एक शुलभ शौचालय व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्टेज भी बनाया जायेगा जिसके लिये स्थान चिन्हित किया जायेगा। दो नये प्रवेश द्वार भी बनाये जायेंगे जिसमें एक शाहगंज मार्ग व दूसरा पचहटिया से शीतला चौकिया मार्ग पर बनाया जायेगा।

जौनपुर में अपराधियों की खैर नहीं, चुनाव से पहले होगी कड़ी कार्रवाई : एसएसपी

गुंडा-माफियाओं की सूची तैयार, मिशन शक्ति, महिला सुरक्षा व साइबर क्राइम पर रहेगा विशेष फोकस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) का कार्यभार संभालने वाले कुंवर अनुपम सिंह ने पत्रकारों से शिष्टाचार मुलाकात/ वार्ता में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जनपद में अपराध और अव्यवस्था किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पंचायत चुनाव एवं अन्य आगामी चुनावों के मद्देनजर पूछे गए सवाल पर एसएसपी ने कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए गुंडों व माफियाओं की विस्तृत सूची तैयार की जा रही है। चिन्हित अराजक तत्वों के विरुद्ध समय रहते प्रभावी विधिक कार्रवाई की जाएगी, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। भूमि विवादों पर उन्होंने कहा कि थाना दिवस के माध्यम से तथा पुलिस-राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शहर में जाम की समस्या के समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जा रही है। साथ ही, वाहनों के चालान को लेकर आमजन की शिकायतों के संबंध में पारदर्शी एवं संतुलित कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही। एसएसपी ने कहा कि शासन की प्राथमिकताओं–मिशन शक्ति, महिला सुरक्षा एवं साइबर क्राइम–पर विशेष जोर रहेगा। महिला उत्पीड़न और साइबर अपराध से जुड़े मामलों में त्वरित व कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मीडिया से सकारात्मक सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करना उनकी कार्यशैली का अहम हिस्सा होगा।

बोरीवली में सजेगा रचनात्मकता का महाउत्सव

मुंबई। आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (अत्रक्र) 17 से 19 फरवरी 2026 तक बोरीवली वेस्ट स्थित आदित्य कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट परिसर में बोरीवली डिजाइन फेयर (इऊऋ) 2026 का आयोजन करने जा रहा है। यह तीन दिवसीय महोत्सव डिजाइन, नवाचार, संस्कृति, नेतृत्व और सामाजिक भागीदारी को समर्पित रहेगा। इस आयोजन के टाइटल स्पॉन्सर सुमित ग्रुप हैं।

पिछले कुछ वर्षों में बोरीवली डिजाइन फेयर मुंबई के प्रमुख कॉलेज-नेतृत्व वाले सार्वजनिक आयोजनों में अपनी अलग पहचान बना चुका है। यह मंच छात्रों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों, उद्यमियों, कलाकारों और स्थानीय समुदाय को एक साथ लाकर विचारों और रचनात्मकता के आदान-प्रदान का अवसर देता है। इसका उद्देश्य शिक्षा, उद्योग और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित करना है।

तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में नवाचार, डिजाइन, खेल, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी विविध गतिविधियाँ होंगी। रंगरेज इस फेयर का खास आकर्षण रहेगा, जिसमें संगीत, नृत्य, फैशन और अन्य कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता का प्रदर्शन होगा। तीसरे दिन आयोजित होने वाला ह्यउड मीट भी फेस्टिवल का प्रमुख आकर्षण होगा। इसमें उद्योग जगत के वरिष्ठ अधिकारी, एचआर प्रमुख और उद्यमी शामिल होकर नेतृत्व, नवाचार और भविष्य के कार्य परिवेश पर चर्चा करेंगे। यह मंच उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ छात्रों को वास्तविक अनुभव और मार्गदर्शन के अवसर भी प्रदान करेगा। आदित्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के प्रवक्ता के अनुसार, बोरीवली डिजाइन फेयर का उद्देश्य ऐसा मंच तैयार करना है, जहाँ रचनात्मकता, नवाचार और समाज एक साथ आएँ। हम चाहते हैं कि छात्र, उद्योग और समुदाय मिलकर नई सोच और सकारात्मक बदलाव की दिशा में आगे बढ़ें।

मुलुंड में शरदभाई झवेरी की दीक्षा बनी जैन समाज में नई मिसाल

मुंबई। मुलुंड के व्यापारी शरदभाई झवेरी का शानदार दीक्षा समारोह स्मरणीय बन गया। बता दें कि 69 वर्षीय मुमुक्षुरत्न शरदभाई चतुर्भुजभाई झवेरी ने 11 फरवरी की सुबह 5 बजे भव्य समारोह में गच्छाधिपति आचार्य युगभूषणसूरीजी महाराज साहेब के मार्गदर्शन में दीक्षा लिया है। यह दीक्षा कार्यक्रम मुलुंड (मुंबई) में ऐतिहासिक माना जा रहा है। कनाडा से आए हुए हेमंत एम. शाह ने कहा कि यहाँ पर जिनशासनम का एक्जीबिशन पहली बार लगाया गया, जो जैन समाज के बारे में लोगों तक बड़ा संदेश पहुंचाने का सरल मार्ग बता रहा है। दीक्षा ग्रहण करने के बाद शरद भाई झवेरी को नया नाम मिला है अब उन्हें शौर्य भूषण विजयजी महाराज के नाम से पहचाना जाएगा। गच्छाधिपति आचार्य युगभूषणसूरीजी जिन्हें पंडित महाराज साहेब के नाम से पहचाना जाता है, उन्होंने शरदभाई झवेरी को उत्तम शिक्षा दी थी। उन्होंने कहा कि तुमने बुढ़ापे में शेर की तरह दीक्षा लिया है यह लोगों के लिए नई मिसाल बनेगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता ने लगाई फांसी, हुई मौत

मृतका के छोटे भाई नें तहरीर देकर पति ससुर सास देवर ननद को दहेज के लिए प्रताड़ित करनें का लगाया आरोप की कानूनी कार्यवाही की मांग।

-दिनेश कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के उदयचन्दपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई जब ननिहाल से ससुराल पहुंची विवाहिता के एक घंटे बाद फांसी पर झूलने से मौत की खबर मिली।सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई।

मिली जानकारी के अनुसार उदयचन्दपुर निवासी राजपत निषाद के पुत्र रोहित निषाद का विवाह लगभग दो वर्ष पूर्व वाराणसी जिले के दानगंज क्षेत्र स्थित कैथौर गांव निवासी कमलेश निषाद की पुत्री रूपा के साथ हुआ था। रूपा बचपन से अपने नाना शंकर निषाद के घर सिहौली (केराकत) में रह रही थी और वहीं से उसका विवाह संपन्न हुआ था। बताया जा रहा है कि रूपा चार दिन पूर्व ननिहाल में आयोजित रामायण कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। गुरुवार को वह सिहौली से ससुराल विदा होकर पहुंची।

मायके पक्ष का आरोप है कि सुबह करीब 11 बजे उसका देवर राहुल उसे ससुराल ले गया, जबकि रूपा शिवरात्रि के बाद जाने की बात कह रही थी। परिजनों के अनुसार ससुराल पहुंचने के करीब एक घंटे बाद ही ससुर राजपत निषाद ने मायके पक्ष को घर बुलाया। जब वे मौके पर पहुंचे तो रूपा का शव कमरे में पंखे से लटका मिला। मामा धीरू निषाद का आरोप है कि घटना के समय घर पर कोई ससुराल के लोग मौजूद नहीं था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतका तीन बहनों और एक भाई में दूसरे स्थान पर थी। मृतका के छोटे भाई आर्यन निषाद ने तहरीर देकर पति रोहित, ससुर राजपत, सास दीपा, देवर राहुल तथा ननद मीना को दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए विधिक कानूनी कार्यवाही की मांग की मांग को उठाई।

9 वर्षों में मात्र फीसदी कार्य धरातल पर : रागिनी सोनकर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने औद्योगिक विकास विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कई तीखे प्रश्न उठाए। उन्होंने औद्योगिक विकास मंत्री से प्रदेश में निवेश और रोजगार की वास्तविक स्थिति पर स्पष्ट जवाब मांगा।

डॉ. सोनकर ने कहा कि सरकार 45 लाख करोड़ रुपये के एमओयू का दावा करती है, लेकिन विभाग द्वारा दिए गए उत्तर के अनुसार पिछले 9 वर्षों में मात्र 9 प्रतिशत कार्य ही धरातल पर उतारा जा सका है। उन्होंने इसे अत्यंत निराशाजनक बताते हुए पूछा कि जब प्रदेश ट्रिलियन इकोनॉमी की ओर बढ़ने का दावा कर रहा है, तब औद्योगिक विकास की यह स्थिति क्यों है?

उन्होंने कहा कि जब भी सरकार से प्रश्न किए जाते हैं तो वह पूर्ववर्ती सरकारों का हवाला देती है, जबकि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में वास्तविक उपलब्धियों का आकलन जरूरी है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जहां एक ओर प्रदेश में रोजगार और अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं, वहीं सरकार बड़े-बड़े दावों तक सीमित दिखाई दे रही है। विधायक ने रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर (ऊील्लरी उङ्ग१६ङ्घि१) की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चित्रकूट, झांसी, अलीगढ़ और आगरा में परियोजनाओं की स्थिति शून्य के बराबर है, जबकि कानपुर और लखनऊ में भी बेहद सीमित प्रगति दिखाई दे रही है। उन्होंने पूछा कि एक्सप्रेस-वे के आसपास उद्योग विकसित करने का वादा किया गया था, परंतु वहां उद्योग स्थापित क्यों नहीं हो पाए? डॉ. सोनकर ने औद्योगिक विकास विभाग से जुड़े रोजगार के आंकड़े भी सदन के पटल पर रखने की मांग की। उन्होंने पूछा कि विभाग द्वारा अब तक कितनी नौकरियां सृजित की गईं, उनमें कितनी महिलाओं, दलितों और पिछड़े वर्ग के युवाओं को रोजगार मिला तथा कितने लोगों को एक लाख रुपये से अधिक वेतन वाली नौकरियां प्राप्त हुईं। उन्होंने मंत्री से इन तीनों प्रश्नों पर स्पष्ट, तथ्यात्मक और पारदर्शी उत्तर देने की मांग की और कहा कि प्रदेश के युवाओं की आशाएं औद्योगिक विकास से जुड़ी हैं, इसलिए सरकार को जवाबदेही से बचना नहीं चाहिए।

भागो मोबिलिटी ने बढ़ती शहरी मोबिलिटी आवश्यकताओं को सक्षम बनाने के लिए की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के लॉन्च की घोषणा

मुंबई। भागो मोबिलिटी ने आज भारत में तेजी से बढ़ती शहरी मोबिलिटी आवश्यकताओं को सक्षम बनाने के लिए एक व्यापक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के लॉन्च की घोषणा की। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के साथ साझेदारी में और होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया (एचईआईडी) के बैटरी-स्वैपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से, कंपनी दिल्ली और बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की तैनाती करेगी, जिसके बाद अगले तीन वर्षों में इसे पैन-इंडिया स्तर पर विस्तार दिया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म डिलीवरी पार्टनर्स, राइड-हेलिंग ड्राइवर्स और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स वर्कर्स के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें एक सिंगल सब्सक्रिप्शन-बेस्ड मॉडल के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों तक पहुंच, बैटरी स्वैपिंग, अनुपालन (कंप्लायंस) और टेक्नोलॉजी सपोर्ट जैसी सुविधाएँ एकीकृत रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी।

यह प्लेटफॉर्म लचीले स्वामित्व और उपयोग मॉडल के माध्यम से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स तक ऑन-डिमांड एक्सेस प्रदान करता है। यह उन व्यक्तियों के लिए भी उपलब्ध है जो ईवी को स्वयं के उपयोग के लिए खरीदना चाहते हैं या इसे अन्य ऑपरेटर्स के उपयोग हेतु उपलब्ध कराना चाहते हैं। यह पहल न्यूनतम औपचारिक शिक्षा वाले व्यक्तियों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। प्लेटफॉर्म से जुड़ने के लिए केवल वैध ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता होगी, जिससे प्रतिभागी अपनी वर्तमान आय की तुलना में 20% से अधिक कमाई कर सकेंगे। यह पहल शहरी मोबिलिटी वर्कर्स के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियोंजैसे वाहनों की उच्च प्रारंभिक लागत जो स्वामित्व में बाधा बनती है, चार्जिंग में लगने वाला समय, रखरखाव और नियामकीय जटिलताओं का समाधान करती है। वाहन उपलब्धता और ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर को एकीकृत करके, यह प्लेटफॉर्म वर्कर्स के अपटाइम और आय क्षमता को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखता है।

इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए मुत्सुओ उसुई, निदेशक, सेल्स एवं मार्केटिंग, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा, ह्लहोंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया में हमारा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रति दृष्टिकोण ऐसे समाधानों के निर्माण पर आधारित है जो टिकाऊ, विश्वसनीय और रोजमर्रा के राइडर्स के लिए वास्तव में प्रभावी हों।

अनियंत्रित बोलेरो दीवार से टकराई, युवक की मौके पर मौत, दूसरा गंभीर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के प्रयागराज जौनपुर राजमार्ग पर बीती रात एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा हसनपुर गांव के पास रात लगभग पौने एक बजे उस समय हुआ जब बोलेरो जीप प्रयागराज से जौनपुर की ओर जा रही थी। अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी पक्की दीवार से जोरदार टक्कर मार बैठा। टक्कर इतनी तेज थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए।

हादसे में बोलेरो सवार 30 वर्षीय विपिन पांडेय पुत्र बृजेश पांडेय, निवासी हरखमलपुर, थाना सरायख्वाजा, जनपद जौनपुर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साथ में बैठे 20 वर्षीय शुभम सिंह पुत्र राजबीर सिंह, निवासी ग्राम भीदीपुरा, थाना बक्शा, जनपद जौनपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मुंगरा बादशाहपुर थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार तिवारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंच गए।

स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद वाहन में फंसे युवक को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक विपिन पांडेय की सांसें थम चुकी थीं। घायल शुभम सिंह को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से सतहरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत स्थिर बताई और छुट्टी दे दी।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की तैयारी शुरू कर दी है तथा परिजनों को सूचना दे दी गई। जैसे ही मौत की खबर घर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

वेलेंटाइन रोमांसः इस बार क्यों छाया है ब्राउन हेयर कलर का जादू

मुंबई। जहां हर तरफ दिल के आकार वाले डिजाइन और पुराने ब्यूटी ट्रेंड्स छाए हुए हैं, वहीं सबसे रोमांटिक हेयर कलर के रूप में 'ब्राउन' का नाम आपको वाकई में चौंका सकता है। यह रंग गहरा है, इसमें कई परतें हैं और इसका मुख्य आकर्षण इसका बेहद शांत व गहरापन है। गोदरेज प्रोफेशनल के नेशनल टेक्निकल हेड, शैलेश मूलया बता रहे हैं कि इस बार रोमांस के लिए 'ब्राउन' ही पहली पसंद क्यों है। ब्राउन रंग की सफलता का राज इसकी स्वाभाविकता में छिपा है। रोस्टेड आलमंड, हॉट चॉकलेट और बटरस्कॉच ब्लॉन्ड जैसे शेड्स गर्माहट और शालीनता का एक बेजोड़ संगम पेश करते हैं। ये रंग शोर नहीं मचाते, बल्कि अपनी सादगी से दिल जीत लेते हैं। सैलून एक्सपर्ट्स और ग्राहकों की पहली पसंद बना यह ब्राउन कलर हर भारतीय स्किन टोन पर जंचता है। भारतीय स्किन टोन के लिए यह एक 'वर्सेटाइल' विकल्प है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि बाल बढ़ने के बाद भी यह उतना ही नेचुरल और ग्रेसफुल बना रहता है। तकनीकी दृष्टि से भी, देखा जाए तो इस रंग में असली कलाकारी निखर कर आती है। चटक रंगों के विपरीत, ब्राउन का पूरा खेल संतुलन पर टिका है। इसमें 'अंडरटोन्स' की भूमिका अहम होती है। हल्की सुनहरी गर्माहट वाला रोस्टेड आलमंड ब्राउन चेहरे के नैन-नक्श को कोमलता देता है, तो वहीं गहरा हॉट चॉकलेट शेड बिना भारीपन के बालों में एक सघन गहराई जोड़ता है। बटरस्कॉच ब्लॉन्ड, यदि सही ढंग से किया जाए, तो बालों की प्राकृतिक लय को बरकरार रखते हुए लुक में एक सौम्य चमक भर देता है। ये ऐसे रंग हैं जो बारीकी की मांग करते हैं, शॉर्टकट की नहीं। इसके पीछे एक ठोस वैज्ञानिक कारण भी है कि ब्राउन शेड्स में बाल ज्यादा स्वस्थ दिखते हैं। इसका मल्टी-डायमेंशनल इफेक्ट रोशनी को सही तरह से रिफ्लेक्ट करता है, जिससे बालों में गजब की चमक और स्मूदनेस आती है। चूंकि ये रंग हमारे नेचुरल मेलेनिन के करीब होते हैं, इसलिए बाल पतले दिखने के बजाय ज्यादा भरे हुए और मजबूत लगते हैं। यह आपको एक ऐसा शानदार लुक देता है जिसमें मेहनत तो दिखती है, पर दिखावा नहीं।

सम्मान की तलवार, सेवा का संकल्प : केंट इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा को व्यापार मंडल ने किया गौरवान्वित

-सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की धरती सदैव से सम्मान, परंपरा और साहस के प्रतीकों को संजोए रखने के लिए जानी जाती रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वाराणसी व्यापार मंडल ने केंट थाना प्रभारी इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा को उनके उत्कृष्ट कार्यों और राष्ट्रसेवा के लिए मिले राष्ट्रपति पदक के उपलक्ष्य में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। यह सम्मान समारोह न केवल एक अधिकारी के कार्यों की सराहना का अवसर बना, बल्कि समाज और प्रशासन के बीच मजबूत विश्वास और समन्वय का भी प्रतीक बनकर सामने आया।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के नेतृत्व में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल केंट थाना पहुंचा, जहां उन्होंने इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा को मालाओं से लादकर, अंगवस्त्र ओढ़ाकर और सम्मान स्वरूप तलवार भेंट कर गौरवान्वित किया। तलवार भेंट करने की परंपरा वीरता, न्याय और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक मानी जाती है, जो शिवाकांत मिश्रा के कर्तव्यनिष्ठ और निर्भीक व्यक्तित्व को दर्शाती है। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने कहा कि इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा ने अपने कार्यकाल में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ व्यापारियों की सुरक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्परता दिखाई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पदक केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे वाराणसी के लिए गौरव का विषय है। यह सम्मान उनकी ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता और साहसिक निर्णयों का प्रमाण है।

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि शिवाकांत मिश्रा की कार्यशैली तेजतर्रार, निष्पक्ष और जनहितकारी रही है। उन्होंने अपराध और अन्याय के खिलाफ जिस दृढ़ता से कार्रवाई की है, उससे समाज में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है। व्यापारियों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी वह इसी समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ समाज की सेवा करते रहेंगे और वाराणसी का नाम रोशन करेंगे। सम्मान समारोह के दौरान व्यापार मंडल के प्रमुख पदाधिकारी संजय गुप्ता, मनीष गुप्ता, राजीव वर्मा, अरविंद जायसवाल, राधेश्याम लोहिया, प्रिया अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। सभी ने इंस्पेक्टर मिश्रा के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित व्यापारियों ने कहा कि जब प्रशासन और समाज एक साथ खड़े होते हैं, तब शहर की व्यवस्था और विकास की दिशा और अधिक सशक्त होती है। इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा जैसे अधिकारी न केवल कानून व्यवस्था के प्रहरी हैं, बल्कि समाज के भरोसे और न्याय के स्तंभ भी हैं। यह सम्मान समारोह वाराणसी में प्रशासन और व्यापारिक समाज के बीच मजबूत समन्वय और पारस्परिक विश्वास का संदेश देता है, जो शहर की सुरक्षा और विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। राष्ट्रपति पदक से सम्मानित इंस्पेक्टर शिवाकांत मिश्रा की कार्यशैली आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और यह सम्मान उनके सेवा पथ को और अधिक ऊर्जा प्रदान करेगा।

नकल पर सख्ती का शिकंजाः 18 फरवरी से शुरू होंगी यूपी बोर्ड परीक्षाएं

जौनपुर में 206 केंद्रों पर कड़ी निगरानी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2026 को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। संगोष्ठी भवन, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में जिलाधिकारी डॉ०दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें परीक्षा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि 18 फरवरी से 12 मार्च 2026 तक दो पालियों में परीक्षा आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 8:30 से 11:45 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:00 से 5:15 बजे तक संचालित की जाएगी। जनपद के 206 परीक्षा केंद्रों पर हाईस्कूल के 77,042 और इंटरमीडिएट के 77,080 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा की निगरानी के लिए 6 जोनल मजिस्ट्रेट, 22 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 206 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। साथ ही रिजर्व अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। किसी भी आपात स्थिति में कंट्रोल रूम नंबर 7905471191 और 9451962481 पर संपर्क किया जा सकता है। डीएम ने प्रश्नपत्रों की गोपनीयता बनाए रखने, सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित करने और केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ शांतिपूर्ण और नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने को संकल्पित है। उक्त अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानन्द झा, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, सह जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश यादव, विवेक कुमार, समस्त सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, कंट्रोल रूम प्रभारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारत में लोगों को 4,000 करोड़ से ज्यादा स्पैम कॉलः ट्रूकॉलर

मुंबई। में भारत में लोगों को 4,000 करोड़ से ज्यादा स्पैम कॉल आए, जो धोखाधड़ी, परेशानी और डिजिटल जोखिम के बढ़ते खतरे को दिखाते हैं। ट्रूकॉलर की नई रिपोर्ट बताती है कि इनमें से 1,189 करोड़ अनचाही कॉल उपयोगकताओं तक पहुँचने से पहले ही ब्लॉक कर दी गईं। इससे लाखों लोगों को ठगी, समय की बबार्दी और बेवजह के तनाव से बचाया जा सका, खासकर ऐसे समय में जब देश की अर्थव्यवस्था तेजी से डिजिटल रूप से जुड़ रही है। देश में 100 करोड़ से ज्यादा सक्रिय फोन कनेक्शन हैं, जो व्यापार, शासन और व्यक्तिगत रिश्तों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में ट्रूकॉलर ने आज अपनी 2025 इंडिया इनसाइट्स रिपोर्ट जारी की है, जो डेटा के जरिए यह दिखाती है कि स्पैम और धोखाधड़ी देश के संचार के माहौल को कैसे बदल रहे हैं और टेक्नोलॉजी हर दिन करोड़ों लोगों की सुरक्षा कैसे कर रही है।

ट्रूकॉलर के सीईओ रिशित झुनझुनवाला ने कहा, ऐसे देश में जहाँ कनेक्टिविटी हर स्तर पर अवसरों को आगे बढ़ा रही है, वहाँ भरोसा हमारी सबसे कीमती डिजिटल संपत्ति बन गया है। आज धोखाधड़ी सिर्फ एक तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि एक मानवीय समस्या भी है। यह उन पलों में डर, जल्दबाजी और अनिश्चितता का फायदा उठाती है जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। हमारी ज़िम्मेदारी है कि किसी भी भारतीय को जुड़े रहने और सुरक्षित रहने के बीच चुनाव न करना पड़े। ट्रूकॉलर में हमारा फोकस बिल्कुल साफ है—लोगों को सुरक्षित रखते हुए जुड़ा रहने में मदद करना और नुकसान होने से पहले ही जोखिम को रोकना। भारत में हर फोन कॉल का अपना महत्व होता है—यह अवसरों के द्वार खोल सकती है, जरूरी जानकारी पहुँचा सकती है या लोगों को गंभीर खतरे में भी डाल सकती है। जैसे-जैसे देश विकसित भारत के लक्ष्य के तहत तेजी से डिजिटल और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे संचार पर भरोसा प्रगति की एक अहम नींव बन गया है। यह रिपोर्ट 2025 के दौरान लिए गए इन निर्णयों के प्रभाव को सामने लाती है, साथ ही डिजिटल जोखिम के व्यापक स्तर और उससे बचाव के बढ़ते महत्व को भी स्पष्ट करती है। 2025 में संचार जोखिम का पैमानाः रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में ट्रूकॉलर ने भारत में 4,168 करोड़ से अधिक स्पैम कॉल्स की पहचान की, जिनमें से 1,189 करोड़ कॉल्स यूजर्स ने ब्लॉक कर दीं। साथ ही 770 करोड़ फर्जी कॉल्स का पता चला, जो अक्सर बैंक, सरकारी विभागों और नामी ब्रांड्स की नकल कर की गई थीं।

पूर्व वारंट आफिसर वायुसेना के भोलानाथ बिंद का निधन

भदोही (उत्तरशक्ति)। गुरुवार को एडिशनल कमिश्नर मेरठ मंडल अंबरीश कुमार बिंद के पिता पूर्व वारंट आफिसर वायुसेना भोलानाथ बिंद आयु लगभग 73 वर्ष का एक निजी आकुरा हॉस्पिटल प्रयागराज में इलाज के दौरान सुबह 4 बजे निधन हो गया। वह ग्राम सभा गंगापुर ,पीपीएस जिला भदोही प्रयागराज के निवासी थे। उनके अचानक इस दुनिया को अलविदा करने पर बिंद समाज, जिला भदोही प्रयागराज, मेरठ, मिजार्पुर, जौनपुर, गाजीपुर, वाराणसी, प्रयागराज,चंदौली, दर्जनों जिलों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। उनकी मृत्यु पर बिंद समाज विकास संघ सहित कई संगठनों एवं समाजसेवियों ने गहरा दुःख प्रकट करते हुए ईश्वर से प्रार्थना किया कि उन्हें ईश्वर अपने चरणों में स्थान दें, और दुखित परिवार को इस दुख से उभरने की हिम्मत और साहस दे।

सैमसंग 25 फरवरी को होस्ट करेगा गैलेक्सी अनपैक्ड

मुंबई। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स एक बार फिर मोबाइल इनोवेशन की दुनिया में नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। कंपनी 25 फरवरी 2026 को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में अपनी नई गैलेक्सी र सीरीज पेश करेगी। नई गैलेक्सी र सीरीज उपयोगकताओं को एक ऐसा मोबाइल अनुभव प्रदान करेगी, जो रोजमर्रा की चुनौतियों को आसान बनाते हुए कार्यक्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। इस सीरीज में गैलेक्सी एआई को इस तरह एकीकृत किया गया है कि इसका उपयोग सहज, सरल और अधिक प्रभावी हो, जिससे यूजर्स का काम करने का तरीका और भी बेहतर और स्मार्ट बनेगा। यह लॉन्च एआई के युग में एक नए दौर की शुरूआत का संकेत देगा, जहां इंटेलिजेंस वास्तव में पर्सनल और एडैप्टिव होगी, और यूजर की जरूरतों के अनुसार खुद को ढालेगी। गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट का लाइव स्ट्रीम 25 फरवरी को रात 11:30 बजे (भारतीय समयानुसार) Samsung.com, सैमसंग न्यूजरूम इंडिया और सैमसंग के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। उपभोक्ता और टेक उत्साही samsung.com/unpacked पर रजिस्टर कर सकते हैं, जहां उन्हें इवेंट से पहले आने वाले सभी टीजर्स, ट्रेलर्स, अपडेट्स और एक्सक्लूसिव बेनिफिट्स की जानकारी मिलेगी।

16 से 27 फरवरी तक चलेगा मीजिल्स-रूबेला टीकाकरण अभियान

13 फरवरी को मीडिया वर्कशॉप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया है कि शासन के निदेर्शानुसार जनपद में मीजिल्स-रूबेला (एम.आर.) टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 16 फरवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक संचालित होगा। इसके अंतर्गत जनपद के समस्त प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा 01 से कक्षा 05 तक के सभी बच्चों को एम.आर. का टीका लगाया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मीजिल्स और रूबेला जैसी गंभीर बीमारियों से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए यह विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को अनिवार्य रूप से टीकाकरण हेतु विद्यालय भेजें, जिससे शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से दिनांक 13 फरवरी 2026 को अपराह्न 02:00 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार कक्ष में एक मीडिया वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला में टीकाकरण अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी तथा मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद के समस्त पत्रकार बंधुओं से उक्त मीडिया वर्कशॉप में प्रतिभाग करने का अनुरोध किया है, ताकि व्यापक स्तर पर अभियान का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जा सके और अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सके।

बिजलीकर्मियों की हुंकार, बनारस में गूंजा विद्रोह का स्वर, सड़कों पर हजारों कर्मी

वाराणसी. बिजली क्षेत्र में प्रस्तावित सुधारों और निजीकरण के विरोध में गुरुवार को बनारस में बिजलीकर्मियों का आक्रोश खुलकर सामने आया। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के बैनर तले हजारों बिजलीकर्मियों ने इलेक्ट्रीसिटी अमेंडमेंट बिल 2026, बिजली वितरण के निजीकरण तथा मजदूर विरोधी बताए जा रहे चार नए श्रम कानूनों के खिलाफ एक दिवसीय देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में भिखारीपुर स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय पर जोरदार सांकेतिक प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार से प्रस्तावित बदलावों को वापस लेने की मांग उठाई और चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं हुआ तो आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है। निजीकरण से महंगी हो सकती है बिजली सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आशंका जताई कि यदि बिजली वितरण व्यवस्था में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ती है तो सब्सिडी और जीवनोपयोगी दरों की व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में बड़े औद्योगिक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर अपेक्षाकृत अधिक टैरिफ लगाकर घरेलू और ग्रामीण उपभोक्ताओं को राहत दी जाती है। इसे क्रॉस-सब्सिडी व्यवस्था कहा जाता है। वक्ताओं के अनुसार, निजी कंपनियां लाभ कमाने की प्राथमिकता के साथ काम करेंगी, जिससे यह संतुलन बिगड़ सकता है और ग्रामीण तथा गरीब उपभोक्ताओं के लिए बिजली महंगी होने की आशंका है। उनका कहना था कि यदि क्रॉस-सब्सिडी खत्म हुई तो घरेलू उपभोक्ताओं पर सीधा आर्थिक दबाव पड़ेगा। संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने कहा कि निजी कंपनियों का मुख्य उद्देश्य लाभ अर्जित करना होता है, इसलिए ग्रामीण और कम लाभ वाले क्षेत्रों में सेवा गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने स्मार्ट मीटर व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि तकनीकी खराबी की स्थिति में उपभोक्ताओं को अचानक बिजली कटौती का सामना करना पड़ सकता है। वक्ताओं ने दावा किया कि पूर्व में कई त्योहारों और महत्वपूर्ण अवसरों पर तकनीकी खामियों के कारण उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ा था और निजीकरण के बाद ऐसी समस्याएं और बढ़ सकती हैं।

कर्मचारियों की सेवा शर्तों पर मंडरा रहा खतरा

सभा में वक्ताओं ने कहा कि यदि नई वितरण लाइसेंस निजी कंपनियों को दी जाती हैं तो सरकारी स्वामित्व वाली बिजली कंपनियों की भूमिका कमजोर हो सकती है। इससे कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, वेतन संरचना और सामाजिक सुरक्षा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि निजीकरण से बड़े पैमाने पर रोजगार असुरक्षित होने की आशंका है और कर्मचारियों को भविष्य को लेकर अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। प्रदर्शन के दौरान नए श्रम कानूनों को लेकर भी बिजलीकर्मियों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया।

यूनानी की कहानी से उजागर हुई चिकित्सा विरासत

मुंबई। विश्व यूनानी दिवस के अवसर पर अभिनेता जिम सर्भ द्वारा नैरेट की गई नई डॉक्यूमेंट्री यूनानी की कहानी डिस्कवरी चैनल पर विशेष रूप से प्रसारित की गयी। यह डॉक्यूमेंट्री यूनानी चिकित्सा को केवल एक पारंपरिक इलाज पद्धति के रूप में नहीं, बल्कि स्वास्थ्य को समझने और जीने की एक सोच के रूप में पेश करती है, जो आज के दौर में बढ़ती बीमारियों, जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं और अधूरे इलाज के तरीकों के बीच भी प्रासंगिक बनी हुई है। हमदर्द लेबोरेटरीज के सहयोग से तैयार की गई यूनानी की कहानी यूनानी चिकित्सा की उस यात्रा को दशार्ती है, जो प्राचीन ग्रीस से शुरू होकर भारत की धरती पर विकसित हुई। इस सफर के दौरान डॉक्यूमेंट्री कुछ बुनियादी सवाल उठाती है जैसेः स्वस्थ होने का असली मतलब क्या है? हम सिर्फ लक्षणों का इलाज क्यों कर रहे हैं, बीमारी को जड़ से ठीक क्यों नहीं कर पा रहे? यह फिल्म यूनानी की मूल सोच को सामने लाती है, जिसमें शरीर, मन, आत्मा और पर्यावरण के बीच संतुलन को स्वास्थ्य की बुनियाद माना जाता है, न कि बीमारी को अलग-अलग करके देखा जाता है। डॉक्यूमेंट्री कोविड-19 जैसे दौर की भी याद दिलाती है, जब भारत ने सिर्फ आधुनिक चिकित्सा पर ही नहीं, बल्कि अपनी पुरानी उपचार पद्धतियों और रोकथाम के ज्ञान की ओर भी रुख किया। जिम सर्भ की आवाज डॉक्यूमेंट्री को एक आधुनिक और जिज्ञासु अंदाज देती है, जो दर्शकों को सहजता से जोड़ती है और विषय को गहराई के साथ सामने रखती है। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेता जिम सर्भ ने कहा, यूनानी की कहानी का वर्णन करना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा। मैं यह देखकर गहराई से प्रभावित हुआ कि यह चिकित्सा पद्धति इतिहास, संस्कृति और संतुलन के साथ जीवन जीने की अवधारणा को कैसे जोड़ती है। डॉक्यूमेंट्री पर बात करते हुए हमदर्द लेबोरेटरीज के चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी अब्दुल मजीद ने कहा, यूनानी की कहानी इलाज को एक बड़े विचार के रूप में देखने की कोशिश है, जहां सिर्फ लक्षणों पर नहीं, बल्कि संतुलन, रोकथाम और लंबे समय तक अच्छे स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाता है।

काशीमीरा वार्ड क्रमांक 14 में स्वच्छता अभियान शुरू

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के काशीमीरा प्रभाग क्रमांक 14 में इसकी शुरूआत ग्रीन विलेज कॉम्प्लेक्स से हुई है। यह अभियान की शुरूआत पार्षद श्रीमती ज्योत्सना हसनाले और पार्षद श्रीमती यशोदा अनिल ताटे, ने किया। इस अवसर पर कॉम्प्लेक्स के सभी निवासियों तथा सभी सरकारी अधिकारियों ने मौजूद रहे, स्वच्छता अभियान को लेकर सख्त रवैया अपनाते हुए दोनों पार्षदों ने कहा कि मीरा भायंदर शहर के अब हर वार्डों में इसी तरह का स्वच्छता अभियान जारी रहेगा।

डीएम का विकास खंड बलरामपुर सदर में औचक निरीक्षण

बलरामपुर। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने विकास खंड बलरामपुर सदर का औचक निरीक्षण कर विभिन्न पटलों के कार्यों, अभिलेखों एवं संचालित योजनाओं की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय में रखे विभिन्न रजिस्टरों का अवलोकन करते हुए सभी अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही पुरानी एवं निष्प्रयोज पत्रावलियों का समयबद्ध तरीके से बीड आउट कर कार्यालय व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने पेंशन योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त ऑनलाइन आवेदन पत्रों की समीक्षा करते हुए कहा कि निर्धारित समयावधि के भीतर सभी आवेदनों पर रिपोर्ट लगाकर पात्र लाभार्थियों को शीघ्र लाभान्वित किया जाए। इस दौरान उन्होंने विकास खंड परिसर में संचालित आधार केंद्र का भी निरीक्षण कर सेवाओं की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने मनरेगा सेल का भी अवलोकन किया और कन्वर्जेंस से बनाए जा रहे नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्यों में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मनरेगा के अभिलेखों के रखरखाव एवं कार्यों के प्रति लापरवाही पाए जाने पर मनरेगा के लेखा सहायक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर की संविदा समाप्त कर नए कर्मियों की नियुक्ति किए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी ग्राम सचिवों को निर्देशित किया जाए कि नए आंगनबाड़ी केंद्रों एवं अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में तीव्र गति से पूर्ण कराया जाए। सहायक विकास अधिकारी पटल के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष अभियान चलाकर परिवार रजिस्टर को अद्यतन करने तथा प्रत्येक परिवार को परिवार रजिस्टर की नकल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए शून्य लंबित (जीरो पेंडेंसी) सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत चल रही नोटिस सुनवाई की प्रगति का भी जायजा लिया तथा पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

काशी के स्वाभिमान की आवाज बने अजीत सिंह बग्गा

भारतीय जन क्रांति परिषद (आस्था) ने वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष को सौंपी राष्ट्रीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी, व्यापारियों व सामाजिक संगठनों में हर्ष की लहर

-सुरेश गांधी

वाराणसी. धर्म, संस्कृति और व्यापारिक परंपराओं की समृद्ध विरासत को संजोए काशी की धरती से एक और महत्वपूर्ण सामाजिक-संगठनात्मक संदेश सामने आया है। भारतीय जन क्रांति परिषद (आस्था) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया महराज द्वारा वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा को राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में मनोनीत किए जाने की घोषणा ने व्यापारिक और सामाजिक जगत में नई ऊर्जा का संचार कर दिया है। इस निर्णय को काशी के व्यापारिक समुदाय के साथ-साथ सामाजिक संगठनों ने सकारात्मक और दूरगामी महत्व का बताया है।

अजीत सिंह बग्गा काशी के उन प्रतिष्ठित नागरिकों में शामिल हैं, जिन्होंने व्यापारिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी समान प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में वाराणसी व्यापार मंडल ने कई अवसरों पर व्यापारियों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया और समाधान के लिए प्रशासन व सरकार के साथ संवाद कायम किया। उनका व्यक्तित्व संघर्षशील, जुझारू और संगठनात्मक कौशल से परिपूर्ण माना जाता रहा है। यही कारण है कि व्यापारिक समाज में उनकी मजबूत पकड़ और विश्वसनीयता स्थापित है। भारतीय जन क्रांति परिषद (आस्था) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया महराज ने इस मनोनयन के माध्यम से संगठन की

विचारधारा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी बग्गा को सौंपी है। संगठन का मानना है कि बग्गा के अनुभव, स्पष्ट वक्तृत्व शैली और जनसंपर्क कौशल से परिषद की नीतियों व उद्देश्यों को व्यापक समाज तक पहुंचाने में नई गति मिलेगी।

यह नियुक्ति पत्र राष्ट्रीय संयोजक आशुतोष त्रिपाठी द्वारा अध्यक्ष के निर्देश पर जारी किया गया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि परिषद देश में सांस्कृतिक जागरूकता, सामाजिक समरसता और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में अजीत सिंह बग्गा जैसे अनुभवी और सक्रिय व्यक्तित्व का राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में चयन संगठन की रणनीतिक मजबूती को दशार्ता है। काशी के व्यापारिक समुदाय में इस घोषणा के बाद खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। व्यापारियों ने इसे काशी के सम्मान और प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा है। उनका मानना है कि बग्गा की सक्रियता और नेतृत्व क्षमता न केवल व्यापारिक हितों को मजबूती देगी बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर भी काशी की आवाज को बुलंद करेगी। सामाजिक दृष्टि से यह मनोनयन काशी के उस परंपरागत मूल भाव को भी रेखांकित करता है, जहां व्यापार केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि समाज सेवा का माध्यम भी माना जाता है। अजीत सिंह बग्गा की पहचान एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में रही है, जो व्यापारिक दायित्वों के साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों को भी गंभीरता से निभाते आए हैं।

भारतीय जन क्रांति परिषद (आस्था) द्वारा लिया गया यह निर्णय संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक सहभागिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। काशी जैसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगर से जुड़े व्यक्तित्व को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी सौंपना संगठन की दूरदर्शिता और सामाजिक समावेशिता का संकेत भी है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अजीत सिंह बग्गा राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में संगठन की विचारधारा, सामाजिक प्रतिबद्धता और जनहित के मुद्दों को किस प्रकार राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करते हैं। फिलहाल, काशी के व्यापारिक और सामाजिक समाज में इस निर्णय को सम्मान और विश्वास की नई पहचान के रूप में देखा जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 के अंतर्गत ओडीएफ प्लस ग्रामों की स्थिरता हेतु विशेष अभियान प्रारम्भ

बलरामपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के अंतर्गत जनपद के ओडीएफ प्लस घोषित ग्रामों में स्वच्छता की स्थायित्वबनाए रखने एवं ग्रामीण समुदाय में स्वच्छ व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष सामुदायिक अभियान संचालित किया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी सुश्री श्रेया उपाध्याय द्वारा विस्तृत कार्ययोजना जारी करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर सामूहिक व्यवहार परिवर्तन गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के अंतर्गत समुदाय को ट्रिगरिंग, प्री-ट्रिगरिंग गतिविधियां, ग्राम स्तर पर निगरानी तंत्र का सुदृढ़ीकरण, खुले में शौच मुक्त स्थिति बनाए रखने हेतु ग्राम स्तरीय एक्शन प्लान तथा व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों के नियमित उपयोग को सुनिश्चित कराया जाएगा। साथ ही ग्रामवासियों को व्यक्तिगत स्वच्छता एवं ठोस-तरल अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान के तहत दिनांक 18 फरवरी 2026 से 18 मार्च 2026 तक प्रातः 05:00 बजे से ग्राम पंचायतों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें ग्राम प्रधान, सचिव, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं स्वच्छता कर्मियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। जनपद प्रशासन द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान के दौरान स्वच्छता गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए ग्रामीणों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि स्वच्छता व्यवहार स्थायी रूप से स्थापित हो सके और गांवों को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाए रखने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।